04 - क्या मजाल कोई हमें चुरा सके

05 - इसी बहाने हमारी धूल भी साफ हो गई

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 03 सितंबर, 2025

06 - शिवराज बोले- सीएम था तो स्वेच्छानुदान बड़ा हथियार था

07 - राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत सीहोर में साइकिल रैली...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 6, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

आकाश की तरफ उठे
खाली हाथों में होती है
एक भरीपूरी प्रार्थना
जैसे युद्ध में घर उजड़ने के बाद
एक बच्चा
दीवार पर टँगे कैलेंडर में
खोजता है पिता के लौटने का दिन
कोई बहन
अपने भाई की अंतिम चिट्ठी
अलमारी में छुपाकर
हर रात पढ़ती है
वह माँ के सिरहाने
बिना बोले पानी रख आने जैसी है
प्रार्थना
कभी भाषा नहीं माँगती
सिर्फ एक निष्कलंक क्षण चाहती है
वह जब उतरती है
तो समय
थोड़ा धीमा हो जाता है
और मनुष्य
थोड़ा अधिक मनुष्य।

– दीप्ति कुशवाहा

प्रसंगवश

महागठबंधन के लिए सत्ता की चाबी बनेगी वोटर अधिकार यात्रा?

सीटू तिवारी

बिहार में बीते 17 अगस्त से चल रही वोटर अधिकार यात्रा का सोमवार को पटना में समापन हो गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पटना के डाकबंगला चौराहे पर बीजेपी को चेतावनी भरे अंदाज़ में कहा, 'महादेवपुरा के एटम बम के बाद बिहार में हाइड्रोजन बम आने वाला है।'

इससे ये तो साफ़ हो गया कि कांग्रेस एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के मुद्दे को यहीं छोड़ने वाली नहीं है बल्कि अभी इस मुद्दे के इर्द गिर्द और भी कार्यक्रम भविष्य में बुने जाएंगे। बीते विधानसभा चुनाव में कमज़ोर कड़ी साबित हुई कांग्रेस क्या अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूत कर पाएगी? और क्या तेजस्वी यादव अपनी छवि को री-इनवेंट करने की कोशिश कर रहे हैं? बीते 17 अगस्त को रोहतास ज़िले में राहुल गांधी की यात्रा जिस तरह की चिलचिलाती गर्मी में शुरू हुई थी, लगभग उसी तरह के मौसम में यात्रा का समापन भी हुआ। पूरे गांधी मैदान में बिखरे हुए समर्थक अपने अपने झंडों के साथ थे और गांधी मैदान के बाहर भी सड़कों पर उनका हुजूम था। पेड़ की छांव में बैठे हुए आरा से आए जमुना प्रसाद कहते हैं, 'राहुल जी बहुत दिन बिहार रह गए। वो चले जाएंगे, इसलिए उनको विदा करने अपनी मज़दूरी छोड़कर आए हैं।'

राहुल गांधी इस वोटर अधिकार यात्रा कार्यक्रम के तहत बिहार में 15 दिन रहे। राज्य के 25 ज़िले में 1300 किलोमीटर की यात्रा उन्होंने अपने महागठबंधन के सहयोगियों के साथ की।

इस पूरी यात्रा में उनके साथ खुली जीप में राजद नेता तेजस्वी यादव, भाकपा माले के दीपांकर भट्टाचार्य और वीआईपी के मुकेश सहनी रहे। पटना सिटी से आईं नसरीन बानो कहती हैं, 'वोट चोर, गद्दी छोड़ तो आप सुन ही रही हैं। हमारे वोट के अधिकार की ही लड़ाई चल रही है। उसी के लिए हम लोग यहां आए हैं। गर्मी बहुत है लेकिन अभी आफ़त वोट पर है।'

इन यात्राओं में सभी दल एक तरह से अपनी ताक़त का प्रदर्शन भी कर रहे हैं। राजद, कांग्रेस, वीआईपी, भाकपा माले, सीपीआई, सीपीएम के साथ-साथ कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के झंडे इस पूरी यात्रा में दिखे।

इस पूरी यात्रा में फ्रंट सीट पर राहुल गांधी रहे लेकिन इसके चलते महागठबंधन के कार्यकर्ताओं में किसी तरह की दरार नहीं दिखी। बल्कि नेतृत्व के स्तर पर भी बेहतर तालमेल दिखा। तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को बहुत सहजता से स्पेस दिया और कन्हैया-पप्पू यादव के साथ सहज दिखे। इसी के चलते लोजपा (आर) प्रमुख चिराग पासवान ने तेजस्वी को 'कांग्रेस का पिछलग्गू' कहा।

राजनीतिक विश्लेषक पुष्पेंद्र कहते हैं, 'चूंकि महागठबंधन के भीतर एक चीज़ तय है कि अगर उसकी जीत हुई तो तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री बनेंगे। इसलिए महागठबंधन के सबसे बड़े दल राजद और उसके नेता तेजस्वी को कांग्रेस में कोई ख़तरा महसूस नहीं होता। ये भी ध्यान रखना होगा कि चुनाव आयोग जो एसआईआर कर रही है, उसमें 1 फ़ीसदी वोटरों के नाम हटाए जाने का मतलब महागठबंधन के 3 से 4 फ़ीसदी वोटर्स का नुकसान है। इसलिए महागठबंधन के दलों के भीतर भी वोट ट्रांसफ़र एक ज़रूरी प्रक्रिया है और इसके लिए ज़रूरी है कि उनमें एकता दिखे।'

इस यात्रा से कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साह से लबरेज़ हैं। सुपौल से आए कांग्रेसी कार्यकर्ता महेश मिश्र कहते हैं, 'कुछ लोगों को भ्रम था कि कांग्रेस की ज़मीन गिरवी हो गई है। लेकिन इस यात्रा ने दिखा दिया कि कांग्रेस का ज़मीन और ज़मीर लौट चुका है।'

लेकिन वोटर अधिकार यात्रा के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इससे कांग्रेस का सांगठनिक ढांचा कितना मज़बूत होगा? कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन कहते हैं, 'वोटर अधिकार यात्रा से पहले राहुल गांधी पांच बार बिहार आए सामाजिक न्याय की बात की। पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित, आदिवासी और आर्थिक वंचित समाज के लोगों को मुख्यधारा में लाने और आर्थिक-शैक्षणिक न्याय देने की बात बार बार दोहरा रहे हैं। इसी का नतीज़ा है कि बीते कुछ महीनों में कानू, बिंद, नोनिया, केवट, माली, वैश्य, बुनकर, पासवान, रविदास आदि समाज के लोगों ने बड़ी तादाद में कांग्रेस ज्वाइन किया और उनकी भागीदारी इस पूरी यात्रा में दिखती है। हमारा संगठन मज़बूत होने जा रहा है। इस यात्रा में हम घर-घर तक पहुंच गए हैं और ये हमारे लिए संजीवनी का काम करेगी।'

लेकिन नवंबर 2017 के बाद बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी नहीं बनी है और आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इसके गठन की उम्मीद भी नहीं है। आम मतदाताओं के बीच अपने वोट को लेकर कन्फ्यूज़न की स्थिति है और इसी सवाल को इस वोटर अधिकार यात्रा ने स्वर दिया है।

महागठबंधन ने बिहार में जब ये यात्रा शुरू की तो सारा ज़ोर एसआईआर पर ही था लेकिन धीरे-धीरे इस यात्रा को राशन, दवाई, पढ़ाई, पेपर लीक, रोज़गार आदि मुद्दों से भी जोड़ा गया। पटना के गांधी मैदान में नवादा से आई रजिया देवी कहती हैं, 'हमको ज़मीन का कागज़ नहीं मिल रहा है। राशन पांच किलो मिलना चाहिए तो चार किलो मिलता है। क्या भूखे ही वोट देंगे? और हमारा वोट लेकर नेता चला जाएगा?'

वोटर अधिकार यात्रा के ज़रिए महागठबंधन के शक्ति प्रदर्शन को एनडीए ने फ़्लॉप बताया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने प्रेस कॉन्फ़्रेंस कर कहा, '2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने एक प्रोपेगेंडा खड़ा किया कि भाजपा आएगी तो संविधान बदल देगी। इसका उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में असर पड़ा। लेकिन हमने चुनाव आयोग पर कुछ नहीं कहा। इन लोगों के लिए उस समय चुनाव आयोग तो ठीक था, अब चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं। लेकिन देश की जनता को जब ये सच्चाई पता चली तो उसने उन्हें हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में बुरी तरह हराने का काम किया... अब बिहार में भी हराएंगे।'

'बीजेपी की प्रदेश उपाध्यक्ष अनामिका पासवान कहती हैं जनता जानती है हम काम करने वाले हैं और महागठबंधन हल्ला और अपमान करने वाला।'

वहीं जेडीयू प्रवक्ता अंजुल आरा का कहना है, 'वोटर अधिकार यात्रा चुनावी नौटंकी है। हार की आहट से ये यात्रा उपजी है जो बिल्कुल फ्लॉप साबित हुई है।'

लेकिन महागठबंधन के लिए इस यात्रा का हासिल क्या है? राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन कहते हैं, 'पहले महागठबंधन के कार्यकर्ताओं के दिमाग मिले थे। इस यात्रा के बाद उनका दिल और दिमाग दोनों मिल गया है। आप अंदाज़ा लगाएं जब ज़मीनी स्तर पर दिमाग और दिल मिल जाएं तो चुनाव के परिणाम क्या आने वाले हैं।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित रिपोर्ट के संपादित अंश)

मेरी मां को गाली दी, यह देश की हर मां का अपमान

● पीएम मोदी बिहार में बोले-कांग्रेस-आरजेडी ने किया है पाप ● कहा-छठ मईया से माफी मांगें, जहां मिलें वहां विरोध कीजिए

पटना (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा में 27 अगस्त को राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां को गाली दी गई। 7वें दिन पीएम मोदी ने सामने आकर गाली देने का जवाब दिया है। पीएम ने कहा, बिहार में कुछ दिन पहले जो कुछ हुआ उसकी मैंने कल्पना नहीं की थी। बिहार में कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं। ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं ये देश की मां-बहन, बेटी का अपमान है। पीएम ने कहा, इस घटना की जितनी पीड़ा मेरे दिल में है उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों के दिल में।

● **मां अपनी पीड़ा कभी नहीं कहती थी-** बारिश का मौसम आते ही मां घर को सही करवाती थी, ताकि छत ना टपके। मां बीमार हो फिर भी पता नहीं चलने देती थी। काम करती रहती थी। काम पर जाती थी। मां कभी कठिनाइयों का पता नहीं चलने नहीं देती थी। वो अपने लिए कभी कोई नई साड़ी नहीं खरीदती थी। एक-एक पैसा बचाती थी, ताकि बच्चों के लिए कपड़े बनवा ले। मां का स्थान देवी-देवताओं से ऊपर माना जाता है। बिहार के ही संस्कार हैं।

कांग्रेस-राजद का अत्याचार नहीं सहेंगे

आज से 20 दिन बाद नवरात्र शुरू होगी इसके बाद छठ मइया की पूजा होगा। छठ का पर्व मनाया जाएगा। भारत की धरती ने मां का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं किया है। मैं बिहार के लोगों से भी कहूंगा, इस अपमान की भरपाई बिहार के हर बेटे की जिम्मेदारी है। आरजेडी और कांग्रेस के नेता जहां भी जाएं, जिस गली में भी जाएं। उन्हें चारों तरफ आवाज आनी चाहिए। उनसे जवाब मांगना चाहिए। हर गली से आवाज आनी चाहिए मां को गाली नहीं सहेंगे नहीं सहेंगे।

हम अलग-अलग चर्चा नहीं करेंगे

सिर्फ संविधान देखेंगे

● राज्यपालों-राष्ट्रपति के लिए डेडलाइन से जुड़े मामले में बोला एससी

एससी ने कहा-राष्ट्रपति के मामले में हम संविधान की व्याख्या करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह संविधान की व्याख्या सिर्फ राष्ट्रपति के मामले में करेगा, किसी राज्य या व्यक्ति से जुड़े अलग-अलग मामलों में नहीं। कोर्ट ने यह टिप्पणी राज्य सरकार द्वारा भेजे बिलों पर राज्यपालों और राष्ट्रपति के साइन करने के लिए डेडलाइन लागू करने वाले मामले में की।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी आंध्र प्रदेश, तेलंगाना या कर्नाटक जैसे राज्यों का उदाहरण देंगे, तो केंद्र को भी जवाब दाखिल करना होगा। इस पर सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने कहा-हम अलग-अलग राज्यों के मामलों पर चर्चा नहीं करेंगे, बल्कि केवल संविधान की धाराओं को देखेंगे।

सुनवाई में सिंघवी ने कहा कि अगर विधानसभा किसी बिल को वापस नहीं भेजना चाहती तो वह अपने आप अस्वीकृत हो सकता है। अगर राज्यपाल बिल को विधानसभा को लौटाते ही नहीं हैं, तो अनुच्छेद 200 की प्रक्रिया ही रुक जाएगी। दरअसल, मई में राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से पूछा था कि क्या अदालत ऐसा कर सकती हैं। यह विवाद काफी लंबे समय से चल रहा है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुए मंत्रि-परिषद के कई निर्णय

'जल जीवन मिशन' की पुनरीक्षित योजनाओं में 2,813 करोड़ रूपये वृद्धि का अनुमोदन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रदेश में 'जल जीवन मिशन' अंतर्गत पुनरीक्षित योजनाओं में प्रस्तावित लागत में वृद्धि राशि 2,813 करोड़ 21 लाख रूपये राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने का अनुमोदन किया, जो लगभग 13.55 प्रतिशत है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 20 हजार 765 करोड़ रूपये लागत की 27 हजार 990 एकल ग्राम नल जल योजनाओं और 60 हजार 786 करोड़ रूपये लागत की 148 समूह जल प्रदाय योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत 27 हजार 990 योजनाओं में से 15 हजार 947 ग्रामों की योजनाएं पूर्ण हो चुकी है और 12 हजार 43 योजनाओं के कार्य विभिन्न चरणों में प्रगतिरत हैं। अभी तक कुल 8 हजार 358 योजनाओं के पुनरीक्षण की आवश्यकता हुई है। पुनरीक्षण कार्यवाही के अंतर्गत 7 लाख ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए समस्त परिक्षेत्र के जिलों की प्रस्तुत 8,358 पुनरीक्षित परियोजनाओं के विस्तृत परीक्षण के उपरान्त कुल पुनरीक्षित लागत 9026 करोड़ 97 लाख रूपये की स्वीकृति दिये जाने की अनुशंसा की गई। इन योजनाओं की मूल स्वीकृत लागत

6,213 करोड़ 76 लाख रूपये है।

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड (एक्सेस कंट्रोल) मार्ग निर्माण की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड (एक्सेस कंट्रोल) मार्ग, लंबाई 48.10 कि.मी. का 4 लेन मय पेव्हड शोल्डर एवं दोनों ओर दो लेन सर्विस रोड सहित, हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल (एचएएम) योजनांतर्गत निर्माण कार्य के लिए भू-अर्जन सहित कुल राशि 2 हजार 935 करोड़ 15 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। पूर्व में जारी लोक निर्माण विभाग को प्रदान की गई प्रशासकीय स्वीकृति को निरस्त करते हुए परियोजना को 'हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल' पर किए जाने की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदाय की गयी परियोजना के अंतर्गत 34 अंडर पास, 02 फ्लाई ओवर, 01 आर.ओ.बी., 07 मध्यम पुल एवं 02 वृहद जंक्शन का निर्माण सहित सभी जंक्शन का सुधार, सड़क सुरक्षा उपाय, रोड मार्किंग आदि कार्य किये जायेंगे। मार्ग के निर्माण एवं संधारण के लिए कंसेशन अवधि 17 वर्ष रहेगी।

उज्जैन में नवीन रेलवे ओवर ब्रिज की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा आगामी सिहंस्थ-2028 के मद्देनजर उज्जैन शहर में हरिफाटक रेलवे क्रासिंग पर 4 लेन और हरिफाटक चौराहे से नीलकंठ द्वार तक 980 मीटर लंबाई के नवीन रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए 371 करोड़ 11 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति सिहंस्थ मद अंतर्गत प्रदान की गई।

इस्लाम के नाम पर 'चुप' करा दिए गए जावेद अख्तर

● कोलकाता में भारी विरोध, फ्री स्पीच की निकल गई हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता में उर्दू अकादमी की ओर से सिनेमा,उर्दू और शायरी पर चार दिनों का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह एक सरकारी संस्था है। लेकिन, दो मुस्लिम संगठनों ने इस कार्यक्रम में शायर-गीतकार जावेद अख्तर की मौजूदगी का विरोध क्या किया, यह समारोह शुरू होने से पहले ही स्थगित कर दिया गया। मुस्लिम संगठनों की आपत्ति ये थी कि जावेद अख्तर नास्तिकता को मुखरता के साथ रखते हैं। इस घटना ने यह बहस छेड़ दी है कि क्या पश्चिम बंगाल में धार्मिक संवेदनशीलता की गिरफ्त में आकर राजनीति ने इसकी संस्कृति का दायरा घटा दिया है।

मुस्लिम संगठनों का विरोध, कार्यक्रम करना पड़ा रद्द- पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी की ओर से चार दिनों के लिए यह कार्यक्रम साहित्य और सांस्कृतिक उत्सव के तौर पर आयोजित किया गया था। इस समारोह का फोकस हिंदी सिनेमा में उर्दू का योगदान था। यह 31 अगस्त से 3 सितंबर तक आयोजित होना था। इस कार्यक्रम को स्थगित करने को लेकर जारी आधिकारिक बयान में अकादमी की ओर से सिर्फ अपरिहार्य परिस्थितियां वजह बताया गया है। द हिंद की एक रिपोर्ट के अनुसार उर्दू अकादमी के सूत्रों ने बताया है कि राज्य सरकार ने इसमें इसलिए दखल दिया, क्योंकि 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले वह राज्य में किसी भी तरह का उपद्रव नहीं चाह रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी प्रशासन को चिंता थी कि अगर अख्तर पर सियाही भी फेंक दी गई तो कार्यक्रम में खलल पड़ सकता था। जैनब ने कहा, अपरिहार्य परिस्थितियों से रद्द करना पड़ा।

● **खुद नास्तिक होने का दावा करते हैं जावेद अख्तर-** जहां तक जावेद अख्तर की शख्सियत की बात है तो वह खुद को लंबे समय से तर्कवादी बताते रहे हैं। 2019 में उन्होंने अपने एक ट्वीट में लिखा था, मैं नास्तिक हूं और मैं यह खुलेआम कहता हूं। मैं चाहता हूं कि लोग विवेकी और तार्किक बनें...कुछ लोग इसका उलटा चाहते हैं....हमें अपने मिशन के लिए विवेकपूर्ण तरीके से आगे बढ़ना होगा, नहीं तो फंडो (संभवत: कट्टरपंथी) हमें हाशिए पर डाल देंगे।

● **लोगों को जीने और खुलकर बोलने का अधिकार-** मुस्लिम संगठनों की धमकियों के बाद जिस तरह से बंगाल में उर्दू अकादमी उत्सव को रद्द किया गया है, उसे प्रदेश की संस्कृति पर आघात की तरह देखा जा रहा है। मानव अधिकार कार्यकर्ता शबनम हाशमी ने कहा है कि लोगों को जीने और खुलकर बोलने का अधिकार है। वह कहती हैं, भारत न तो हिंदू राष्ट्र है और न ही एक मुस्लिम देश।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 03 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

जोशीमठ के बाद संकट में चमोली का नंदानगर घाट

● जमीन में समाने लगा यह क्षेत्र, 34 परिवारों ने घर छोड़ा ● बाजार खाली, जोशीमठ में 2 साल पहले धंसाव हुआ था

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में जोशीमठ के बाद अब चमोली जिले का नंदानगर घाट पूरी तरह जमींदोज होने की कगार पर है। पिछले हफ्ते हुई लगातार बारिश और भूस्खलन ने पूरे कस्बे की नींव हिला दी है।

शुक्रवार देर रात हालात अचानक तेजी से बिगड़ने लगे हैं। देखते ही देखते 8 मकान ढह गए। प्रशासन ने खतरा देखते हुए 34 परिवारों से घर खाली करवा दिए हैं। बाजार की 40 से दुकानों के भी ढहने का सीधा खतरा है।

इसलिए इन व्यापारियों ने भी अपनी दुकानें खाली कर दी हैं। कुछ ऐसा ही हाल जोशीमठ के घरों का भी था।

जोशीमठ जनवरी 2023 में सुर्खियों में आया, जब अचानक लैंड स्लाइड की खबरें आने लगीं और 800 से ज्यादा घरों में मोटी-मोटी दरारें आ गईं। जोशीमठ से भी प्रशासन ने करीब 181 इमारतों को खाली करा दिया था। दरारों वाले 678 घरों को लाल निशान लगाकर रहने के लिए खतरनाक बताया था।

● मिट्टी कमजोर, इसलिए जोशीमठ सेंसिटिव एरिया- 1976 में उत्तराखंड के गढ़वाल कमिश्नर एमसी मिश्रा की कमेटी ने जोशीमठ को लेकर बड़ी चेतावनी दी थी। कमेटी ने जोशीमठ पर की गई स्टडी के बाद खुलासा किया कि ये इलाका हाई रिस्क जोन-5 में आता है। ये इलाका पहाड़ों से नीचे आए 10 किमी लंबे मलबे के ढेर (मोरेन) पर बसा हुआ है, जिसकी मिट्टी बहुत कमजोर है।

हर मलबे की लोड बियरिंग कैपेसिटी यानी भार सहन करने की क्षमता होती है। ऐसे में यहां कोई भी बड़ा निर्माण खतरनाक साबित हो सकता है। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने 2 साल पहले केंद्र को जांच रिपोर्ट सौंपी।

नीतिश के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे चिराग पासवान का भी साथ

● सहरसा पहुंचे बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन बोले-सब तय हो चुका है

सहरसा (एजेंसी)। भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन मंगलवार को सहरसा पहुंचे। जहां वे पूजा बैंक्विट हॉल में उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। बिहार में एनडीए के सीट बंटवारे को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, सब तय हो चुका है, सिर्फ आधिकारिक घोषणा बाकी है। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के नेतृत्व में एनडीए पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगा। आरजेडी, जेडीयू, लोजपा (रामविलास), चिराग पासवान की पार्टी, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी मिलकर मैदान में उतरेंगे। इस बार चिराग की रोशनी एनडीए को ही मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि वे अब तक 5 जगहों पर एनडीए सम्मेलन में शामिल हो चुके हैं और 9 जगह और जाएंगे।

हिंसा के बाद पहली बार मणिपुर जाएंगे पीएम मोदी

● शुरू हो गईं तैयारियां, पुलिसकर्मियों की छुट्टियां कैंसल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा शुरू होने के बाद से ही विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है कि प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी अब तक मणिपुर क्यों नहीं गए। 13 सितंबर को पीएम मोदी मिजोरम के दौरे पर जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि वह मणिपुर का भी दौरा कर सकते हैं। मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने राज्य में एक वीवीआईपी के प्रस्तावित दौरे के संबंध में तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 30 अगस्त को राज्य सचिवालय में हुई बैठक में मुख्य सचिव ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि 'वीवीआईपी के दौरे के लिए भव्य तैयारियों की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव ने पुलिस को इंफाल के कांगला और चुराचांदपुर जिले के पीस ग्राउंड में समारोह स्थलों पर 'ब्लू बुक के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था' सुनिश्चित करने को कहा। 'ब्लू बुक' का मतलब है भारत सरकार की विशेष सुरक्षा मार्गदर्शिका, जिसमें वीवीआईपी सुरक्षा तय है।

आर्थिक स्वार्थ से अर्थव्यवस्था में चुनौतियां आईं

● पीएम ने कहा-भारतीय जीडीपी फिर भी 7.8 फीसदी बढ़ी ● कहा-एक दिन दुनिया कहेगी मेड इन इंडिया, ट्रस्टेड बाय वर्ल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में सेमीकॉन इंडिया-2025 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज पूरी दुनिया भारत पर भरोसा करती है। दुनिया भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है। मोदी ने आगे कहा, एक तरफ जब दुनिया भर की इकोनॉमी में चिंताएं हैं। आर्थिक स्वार्थ से पैदा हुई चुनौतियां हैं। उस माहौल के बावजूद भारत ने इस साल के पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की ग्रोथ रेट हासिल करके दिखाया है। यह वृद्धि मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस, कृषि और निर्माण सहित हर सेक्टर दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत अब बैकएंड से निकलकर एक फुल-स्केल सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनने की राह पर है। हम सभी निवेशकों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। वो दिन दूर नहीं, जब दुनिया कहेगी, डिजाइन्ड इन इंडिया, मेड इन इंडिया एंड ट्रस्टेड बाय वर्ल्ड। डिजाइन इन इंडिया और मेड इन इंडिया, यही भविष्य की पहचान होगी। पीएम ने कहा, सेमीकंडक्टर की दुनिया में कहा जाता है कि ऑयल ब्लैक गोल्ड था, लेकिन चिप्स डिजिटल डायमंड हैं। पिछली सदी में दुनिया का भविष्य तेल के कुएं से तय होता था, लेकिन 21वीं सदी की शक्ति एक छोटी सी चिप में सिमट गई है। यह चिप भले ही छोटी है, लेकिन इसमें दुनिया के विकास को गति देने की ताकत है। मजाकिया अंदाज में पीएम ने भाषण की शुरुआत की पीएम मोदी ने सेमीकॉन इंडिया-2025 कार्यक्रम में अपने भाषण की शुरुआत मजाकिया अंदाज से की। उन्होंने कहा, मैं कल रात की जापान और चीन की यात्रा करके लौटा हूं। पीएम के इतना कहते ही दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों ने तालियां बजाईं। इस पर पीएम ने थोड़ा सीरियस होकर कहा, गया था इसलिए ताली बजा रहे हो या वापस आ गया इसलिए ताली बजा रहे हो। पीएम की बातों पर लोग जोर से हंसने लगे। इसके बाद पीएम मोदी भी मुस्कुराते दिखे।

जरांगे आंदोलन खत्म करने को हो गए तैयार

● फणनवीस की सरकार के सामने रख दीं तीन शर्तें ● कहा- हम जीत गए, एचसी में अब आज सुनवाई

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे को मुंबई के अनशन स्थल आजाद मैदान पर 3 सितंबर की सुबह तक रुकने की अनुमति दे दी। इससे पहले अदालत ने मंगलवार दोपहर 3 बजे तक मैदान खाली करने को कहा था। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को भी फटकार लगाई। कहा कि प्रशासन ने उसके आदेशों को लागू क्यों नहीं किया। जबरन मैदान खाली कराने के लिए कदम क्यों नहीं उठाए। अदालत ने कहा कि अगर बुधवार तक स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो वह कड़ा आदेश जारी करेगी और किसी भी हद तक जाएगी। इस बीच महाराष्ट्र के मंत्री जरांगे से मिलने पहुंचे। इसके बाद उन्होंने कहा, हम जीत गए हैं। अगर सरकार आरक्षण की मांगों पर जीआर (आदेश) जारी कर देती है तो वह रात 9 बजे तक मुंबई छोड़ देंगे। मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने दोपहर में समिति के अन्य सदस्यों शिवेंद्रसिंह भोसले, उदय सामंत, माणिकराव कोकाटे के साथ आजाद मैदान में जरांगे से मुलाकात की और समिति द्वारा तैयार किए गए मसौदे पर उनके साथ चर्चा की। पाटिल ने बताया कि अब तक विरोध प्रदर्शनों के दौरान मरने वालों के परिजनों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के हिसाब से एक हफ्ते के अंदर मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाएगी। समिति ने जरांगे को बताया कि अब तक (मृतक प्रदर्शनकारियों के परिजनों को) 15 करोड़ रुपए की सहायता दी जा चुकी है और बाकी राशि एक हफ्ते के भीतर दे दी जाएगी। जरांगे के वकील ने मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और जस्टिस आरती साठे की बेंच से बुधवार दोपहर 11 बजे तक का वक्त मांगा।

'एजुकेट गर्ल्स' एनजीओ को मिलेगा रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड

● सम्मान पाने वाली पहली भारतीय संस्था, 20 लाख से ज्यादा बच्चियों को वापस स्कूल लौटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'एजुकेट गर्ल्स' एनजीओ को 2025 के रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। एशिया का यह सर्वोच्च सम्मान पहली बार किसी भारतीय संस्था को मिला है। यह पुरस्कार एजुकेट गर्ल्स को स्कूल बीच में ही छोड़ चुकी लड़कियों को वापस शिक्षा से जोड़ने की पहल के लिए दिया है। इस पहले के चलते अब तक उन्होंने 2 करोड़ से भी ज्यादा बच्चियों को वापस स्कूल से जोड़ा है। ये सम्मान पाकर एजुकेट गर्ल्स का नाम सत्यजीत रे, एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी, किरण बेदी, विनोबा भावे, दलाई लामा, मदर टेरेसा और ऑस्कर विजेता हायाओ मियाजाकी के साथ शामिल हो गया है। एजुकेट गर्ल्स की स्थापना 2007 में सफीना हुसैन ने की थी। वह लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से ग्रेजुएट हैं और 2007 तक सैन फ्रांसिस्को में काम कर रही थीं। इसके बाद उन्होंने भारत लौटकर महिला निरक्षरता को दूर करने का बीड़ा उठाया।

7 नवंबर को मिलेगा सम्मान

2025 के सभी विजेताओं को यह सम्मान 7 नवंबर 2025 को फिलीपींस की राजधानी मनीला के मेट्रोपॉलिटन थिएटर में आयोजित 67वीं रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड सेरेमनी में औपचारिक रूप से दिया जाएगा। इस मौके पर उन्हें मेडल और सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। कार्यक्रम को फाउंडेशन के आधिकारिक फेसबुक और यूट्यूब चैनल पर लाइव देखा जा सकेगा।

पंजाब में बारिश अपार, हर ओर मचा हाहाकार

● 12 जिलों में बाढ़ का कहर, 29 लोगों की मौत ● उत्तराखंड में स्कूल बंद, दिल्ली में उफनाई यमुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश जारी है। पंजाब के पठानकोट, फिरोजपुर समेत 12 जिले एक हफ्ते से बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य में 1,312 गांवों के 2.56 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक 29 लोगों की मौत हो गई है।

भिवानी, हिसार, सिरसा, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला में आज कुछ स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। गुरुग्राम के दफ्तरों में कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के आदेश जारी किए गए हैं। उधर, दिल्ली में यमुना नदी के खतरे के निशान को पार करने के बाद मंगलवार को ट्रांस-यमुना क्षेत्र की कई कॉलोनियों में पानी घुस गया। यमुना बाजार, मयूर विहार और आसपास के इलाकों की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अपना जरूरी सामान लेकर राहत शिविरों में जाने की अपील की है। उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। सोमवार को उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर लैंडस्लाइड से दो लोगों की मौत हो गई और 6 घायल हो गए। भारी बारिश के कारण चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश में इस साल अगस्त की बारिश ने 76 साल का रिकॉर्ड तोड़ा दिया। बीते महीने सामान्य से 68 फीसदी ज्यादा (256.8 सेमी) बारिश हुई। यह 1949 के बाद से सबसे ज्यादा है। शिमला में पिछले 24 घंटे में लैंडस्लाइड और मकान गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है।

नेस्ले सीईओ की नौकरी गई कर्मचारी से रिलेशन में थे

● एस्ट्रोनॉमर सीईओ भी एचआर के साथ रोमांस करते वायरल हुए थे, इस्तीफा देना पड़ा

मुंबई (एजेंसी)। एफएमसीजी कंपनी नेस्ले ने अपने चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर (सीईओ) लॉरेंट फ्रीक्स को नौकरी से निकाल दिया है। फ्रीक्स पर उनके ही एक साथी कर्मचारी के साथ अफेयर के चलते यह कार्रवाई की गई है। कंपनी ने सोमवार को एक नोटिफिकेशन में बताया कि फ्रीक्स ने इस रिश्ते की जानकारी भी कंपनी को नहीं दी। यह नियमों का उल्लंघन है। कंपनी ने अब उनकी जगह सीनियर वाइस प्रेसीडेंट और नेस्ले के कॉफी स्ट्रैटजिक बिजनेस यूनिट के हेड फिलिप नवरातिल को नया सीईओ नियुक्त किया है। इससे पहले एस्ट्रोनॉमर एंडी बायरन अपनी एचआर हेड के साथ एक कॉन्सर्ट में देखे गए थे। इसके बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था।

मूसलाधार बारिश के बाद अब हाड़ कंपाएगी ठंड

● डब्ल्यूएमओ की भविष्यवाणी, अभी और होगी बारिश ● सावधान! संभलकर रहिएगा, जल्द आ रहा अल नीना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश की वजह से बाढ़ के हालात हैं। खासकर पंजाब-हरियाणा में हालात बदतर हो चले हैं। इस बीच, विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने ताजा जानकारी देते हुए पूर्वानुमान जताया है कि सितंबर में और अधिक बारिश हो सकती है और इस साल कड़ाके की ठंड पड़ सकती है क्योंकि 'ला नीना' सितंबर में वापस आ रहा है। इसका मौसम और जलवायु प्रणाली पर गंभीर असर पड़ता है। ला नीना के प्रभाव से ठंड के दिनों में तापमान में बड़ी गिरावट होने की संभावना रहती है। इससे उत्तर भारत में हांड़ कंपाने वाली ठंड का दौर भी रह सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'ला नीना' के अस्थायी शीतलन प्रभाव (यानी ठंडा करने के प्रभाव) के बावजूद दुनिया के अधिकतर हिस्सों में वैश्विक तापमान अब भी औसत से अधिक रहने की संभावना है। बता दें कि 'ला नीना' और 'अल नीनो' प्रशांत महासागर के जलवायु चक्र के दो विपरीत चरण हैं। अल नीनो पेरू के निकट समुद्री जल के समय-समय पर गर्म होने को संदर्भित करता है जो भारत में मॉनसून को अक्सर कमजोर करता है और इसके कारण सर्दियां अपेक्षकृत गर्म रहती है। वहीं, ला नीना इस जल को ठंडा करता है, जिससे भारत में आमतौर पर मॉनसून बहुत मजबूत होता है और मूसलाधार बारिश होती है। इसके अलावा सर्दियों में अन्य सालों के मुकाबरे अपेक्षाकृत ज्यादा और कड़ाके की ठंड पड़ती है। अल नीनो की घटना आमतौर पर एक वर्ष से अधिक समय तक नहीं रहती है,जबकि इसके विपरीत ला नीना की घटनाएं बढ़ती हैं।

अक्टूबर से दिसंबर के बीच ला नीना की संभावना

यानी अक्टूबर से दिसंबर 2025 के बीच ला नीना की संभावना लगभग 60 प्रतिशत तक बढ़ती दिखती है, जबकि अल नीनो की संभावना कम रहती है। विश्व मौसम संगठन की महासचिव सेलेस्टे साउलो ने कहा, ''अल नीनो और ला नीना के मौसमी पूर्वानुमान और हमारे मौसम पर उनके प्रभाव एक महत्वपूर्ण जलवायु उपकरण हैं। ये पूर्वानुमान कृषि, ऊर्जा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में लाखों डॉलर की आर्थिक बचत के रूप में तब्दील होते हैं और जब इनका इस्तेमाल, तैयारी एवं प्रतिक्रिया कार्यों के मार्गदर्शन में किया जाता है तो हजारों लोगों की जान बच जाती है।'' अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) वैश्विक जलवायु प्रणाली का एक प्रमुख चालक है लेकिन यह पृथ्वी की जलवायु को प्रभावित करने वाला एकमात्र कारक नहीं है। विश्व मौसम संगठन के वैश्विक मौसमी जलवायु अद्यतन उत्तरी अटलांटिक दोलन को भी ध्यान में रखते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित करने पर कैबिनेट के सदस्यों ने माना आभार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री निवास में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित किए जाने पर मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने शॉल और पुष्प-गुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया। मंत्रियों ने कहा कि यह पहल भारतीय परंपरा, वैदिक गणना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाली है, जो प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करेगी।

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम है। यह घड़ी केवल समय बताने तक सीमित नहीं है, बल्कि सूर्योदय, सूर्यास्त, राहुकाल, अभिजीत मुहूर्त और चंद्रमा की स्थिति जैसी जानकारी भी उपलब्ध कराती है। इसमें वैदिक समय के साथ-साथ भारतीय मानक समय और ग्रीनविच मानक समय का तुलनात्मक अध्ययन भी संभव है। इस अनूठी घड़ी के साथ मोबाइल एप भी तैयार किया गया है, जो 189 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध है और विश्वभर के 7000 से अधिक स्थानों के लिए समय व पंचांग की जानकारी देता है।

मंत्रियों ने कहा कि उज्जैन की वैदिक और सांस्कृतिक परंपरा से प्रेरित यह घड़ी मुख्यमंत्री निवास में स्थापित होना गर्व की बात है। यह

पहल प्रदेश की गौरवशाली धरोहर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के साथ युवाओं को वैदिक विज्ञान और गणना प्रणाली से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगी।

इस अवसर पर परिवहन, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पवार सहित अन्य मंत्री शामिल थे।

नई बजटिंग प्रणाली से होगा मध्यप्रदेश का सर्वांगीण विकास

शून्य आधारित बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट वाला पहला राज्य बनेगा मध्यप्रदेश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से औद्योगिकीकरण और विकास की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार का फोकस केवल आर्थिक वृद्धि पर ही नहीं, बल्कि रोज़गार सृजन, आधारभूत संरचना निर्माण और सामाजिक न्याय पर भी है। इसी दिशा में सरकार ने मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिये बजट को अगले 5 वर्ष में दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इससे हर क्षेत्र में निवेश और जनकल्याणकारी योजनाओं को गति मिलेगी। साथ ही बढ़ते बजट प्रावधान में विभागों के बजट पर अनुशासन लगाने की महत्वपूर्ण पहल भी की जा रही है।

महत्वपूर्ण है यह पहल

अब तक अधिकांश राज्यों में पारंपरिक बजटिंग पद्धति लागू होती रही है, जिसमें पिछले वर्षों का व्यय आधार बनते थे। इसके विपरीत जीरो बेस्ड बजटिंग में हर योजना को शून्य से शुरू कर उसकी उपयोगिता सिद्ध करनी होगी। इससे अप्रभावी योजनाएँ स्वतः समाप्त होंगी और संसाधनों का इष्टतम उपयोग संभव होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों ने इस प्रणाली को अपनाया है, जहाँ इससे गुड गवर्नेंस और फाइनेंशियल डिसिप्लिन को मजबूती मिली है। अब मध्यप्रदेश इस दिशा में भारत में अग्रणी राज्य बनकर अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल पेश कर रहा है।

इसी कड़ी में अब राज्य सरकार ने वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालिक विकास की ठोस रणनीति तैयार करते हुए शून्य आधारित बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि यह पहल विकसित मध्यप्रदेश 2047 की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में ठोस आधार बनेगी और देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक आदर्श साबित होगी। श्री देवड़ा ने कहा शून्य आधारित बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट से न केवल प्रदेश की योजनाओं का ठोस मूल्यांकन होगा, बल्कि प्रत्येक खर्च का सीधा संबंध समाज की आवश्यकताओं और राज्य की प्राथमिकताओं से जोड़ा जा सकेगा। यह कदम मध्यप्रदेश को विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश 2047 की दिशा में सबसे मजबूत आधार प्रदान करेगा।

रोलिंग बजट से लगातार फॉरवर्ड लुकिंग दृष्टि

रोलिंग बजट पद्धति से 2026-27, 2027-28 और 2028-29 के लिए बजट बनेगा और हर वर्ष इसकी समीक्षा कर नए अनुमानों को जोड़ा जाएगा। इससे योजनाएँ हमेशा आगे की ओर देखने वाली होगी और अल्पकालिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक विकास को गति मिलेगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह मॉडल कॉर्पोरेट जगत में पहले से सफल साबित हो चुका है, और राज्य शासन में इसे लागू करना नीतिगत दूरदर्शिता का प्रतीक है।

वित्तीय अनुशासन और सामाजिक न्याय

वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति उपयोजना के लिए न्यूनतम 16 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति उपयोजना के लिए न्यूनतम 23प्रतिशत बजट सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही वेतन, पेंशन , भत्तों की गणना में पारदर्शिता हेतु नई गाइडलाइन लागू होंगी। इसके अतिरिक्त ऑफ-बजट व्यय और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के वित्तीय प्रभाव को भी अब राज्य बजट में समाविष्ट किया जाएगा। यह व्यवस्था वित्तीय अनुशासन के साथ जनहित में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी।

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में महत्व

देश के अन्य राज्यों में अभी भी पारंपरिक बजटिंग पद्धति पर निर्भरता बनी हुई है। मध्यप्रदेश का यह निर्णय वित्तीय सुधारों की दिशा में गेम-चेंजर माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो आने वाले वर्षों में केंद्र और अन्य राज्य भी इस पद्धति को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में मेडिकल कॉलेज जबलपुर और ग्वालियर के उन्नयन प्लान की वृहद समीक्षा की।

ईओडब्ल्यू में अरेस्ट हो चुका है साइंस हाउस संचालक

चाइना कनेक्शन भी है जितेंद्र तिवारी का, विदिशा से भोपाल आकर जमाया बिजनेस

भोपाल (नप्र)। आयकर विभाग की छापेमारी की जद में आए साइंस हाउस ग्रुप के संचालक जितेंद्र तिवारी को ईओडब्ल्यू अरेस्ट कर चुकी है। तिवारी की यह गिरफ्तारी ईओडब्ल्यू की टीम ने दिल्ली में तब की थी जब वह दो महीने तक चाइना में रुकने के बाद देश वापस लौटा था। उसके खिलाफ अनूपपुर जिले में एक मामले में आर्थिक गड़बड़ी के मामले मे केस दर्ज हो चुका है।

एमपी के अनूपपुर जिले में मनमानी कीमत पर दवाओं और मेडिकल उपकरणों की सप्लाई कर राज्य सरकार को करोड़ों की चपत लगाने के मामले में जितेंद्र तिवारी को गिरफ्तार करने की कार्यवाही एक साल पहले जून 2024 में की गई थी। दवाओं और उपकरणों के मामले में आर्थिक अनियमितता पाए जाने पर साइंस हाउस के डायरेक्टर जितेंद्र तिवारी और उसके भाई शैलेंद्र तिवारी के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद दिल्ली पहुंचते ही सीआईएसएफ ने इनकी गिरफ्तारी की थी।

पूरा परिवार बना था आरोपी

दवा और मेडिकल उपकरण सप्लाईकर्ता फर्म साइंस हाउस मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड में ईओडब्ल्यू ने पूरे परिवार को आरोपी बनाया था। इसके डायरेक्टर्स में सुनैना पति शैलेंद्र तिवारी और जितेंद्र तिवारी, मेसर्स अनुसेल्स कॉरपोरेशन की प्रोप्राइटर अनुजा तिवारी पति जितेंद्र तिवारी और शैलेंद्र तिवारी पिता महेश बाबू शर्मा समेत मेसर्स सिन्को इंडिया के महेश बाबू शर्मा को ईओडब्ल्यू ने आरोपी बनाया था। सभी आरोपी एक ही परिवार के हैं पर इन्होंने तीन अलग-अलग कंपनियां बना रखी थीं।

जब्त दस्तावेजों और हार्ड डिस्क से खुला था राज

ईओडब्ल्यू ने आरोपियों के भोपाल के गौतम नगर के आवास और कार्यालय की जांच में खरीदी से संबंधित दस्तावेजों की जानकारी मिली थी। यहां से कम्प्यूटर की हार्ड डिस्क भी जब्त की गई थी। जांच में पता चला कि आरोपियों ने एलयूएन से अधिक दर पर अनूपपुर सीएमएचओ कार्यालय में दवाओं और उपकरणों की सप्लाई की है।

बिड में गड़बड़ी कर प्रस्ताव पास कराया था

साल 2019-20 में अनूपपुर जिले में दवा व मेडिकल उपकरण खरीदी में गड़बड़ी की गई। इस मामले में ईओडब्ल्यू ने प्रकरण दर्ज किया। इसमें तत्कालीन अनूपपुर सीएमएचओ डॉ. बीडी सोनवानी, क्रय समिति अध्यक्ष व तत्कालीन अपर कलेक्टर समेत समिति में शामिल डॉक्टरों को आरोपी बनाया गया था। जांच में खुलासा हुआ कि बिड में गड़बड़ी कर कंपनियों ने प्रस्ताव पास कराया।

विदिशा से भोपाल आया जितेंद्र का परिवार

जितेंद्र तिवारी के पिता विदिशा जिले में लेक्चरर रहे हैं। जितेंद्र और उसके भाईयों की पढ़ाई शुरुआती दौर में विदिशा में ही हुई है। इसके बाद सभी भोपाल आ गए और दवाओं के कारोबार में शामिल हो गए। जितेंद्र तिवारी ने भारी भरकम निवेश भी रियल एस्टेट सेक्टर में प्रॉपर्टी बनाने में किया है। दवाओं और उपकरणों के कारोबार में करोड़ों कमा चुका जितेंद्र पिछले साल चाइना अपने दोस्तों को लेकर गया था और दो महीने तक वहां रुका था। इसके बाद लौटते ही अरेस्ट किया गया था।

सुसाइड नोट में लिखा-मेरी मौत के जिम्मेदार सास, ससुर हैं

भोपाल में 26 साल के युवक ने फांसी लगाकर दी जान; ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

भोपाल (नप्र)। यह लाइन 26 साल के इमरान खान ने अपने सुसाइड नोट में लिखी और सोमवार सुबह फांसी लगाकर जान दे दी। घटना खजूरी थाना क्षेत्र के भौंरी इलाके की है। इमरान डेंटिंग-पेंटिंग का काम करता था और वहीं उसका गैराज था।

पुलिस के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 12:30 बजे इमरान के सास, ससुर और अन्य परिजन उसके घर आए और पत्नी और दोनों बच्चों को अपने साथ ले गए। इमरान ने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि सास हमेशा पत्नी को तलाक देने के लिए उकसाती थी और दहेज का झूठा केस लगाने की धमकी देती थी।

आखिरी मैसेज लिखा- अब दुकान संभाल लेना

रात करीब 2:30 बजे इमरान ने अपने गैराज में काम करने वाले पेंटर अमन को मैसेज किया- अब दुकान पर ध्यान देना। इसके बाद उसने कोई बातचीत नहीं की। सुबह करीब 9 बजे तक जब उसने दरवाजा नहीं खोला तो परिजन और गैराज के लड़कों ने गेट तोड़ा। अंदर इमरान का शव फंदे पर लटका मिला।

सुसाइड नोट में ससुराल पक्ष को ठहराया जिम्मेदार

खजूरी थाना एएसआई करण सिंह ने बताया कि युवक डेटिंग पेंटिंग का काम करता था, उसकी लव मैरिज हुई थी। घटना से एक रात पहले मिया-बीबी में विवाद हुआ था। जिसके बाद पत्नी ने अपने मां-बाप को बताया। वह लोग पत्नी और बच्चों को ले गए, दूसरे दिन सुबह 9 बजे इमरान फंदे पर लटका है। युवक ने सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें ससुराल पक्ष को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि अभी संबंधितों को बयान नहीं हुए हैं, शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिया है।

घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला शव

मृतक इमरान के बहनोई सर सैयद जावेद अली ने बताया कि रविवार देर रात इमरान घर से बाहर बाथरूम करने गए थे। मां से बातचीत कर वे वापस कमरे में लौट आए। इसके बाद परिवार को उनकी कोई खबर नहीं मिली। सुबह परिजन ने कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद गैराज में काम करने वाले लड़कों को बुलाया गया। सबके सामने गेट तोड़ा गया तो अंदर इमरान फंदे पर लटके मिले।

जावेद ने कहा कि इमरान ने सुसाइड नोट छोड़ा है। जिसमें उन्होंने अपनी सास और ससुराल पक्ष के लोगों का नाम लिखा है। जावेद के मुताबिक, रात करीब 12 बजे मृतक की सास, ससुर और अन्य रिश्तेदार घर आए थे। वे पत्नी और दोनों बच्चों को अपने साथ ले गए। इस दौरान परिजन ने घर का माहौल बिगाड़ा और विवाद भी किया। इमरान की सास अक्सर घर में झगड़ा करवाती थी और पति-पत्नी के बीच कलह डालती थी। यही नहीं, वे तलाक दिलाने और दहेज के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी देती थीं। जावेद ने आरोप लगाया कि रविवार रात भी स्थिति ऐसी ही बनी, जिसके बाद इमरान टूट गए और उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया।

युवती का लहूलुहान शव मिला

घर में पड़ी थी लाश, गला कटा हुआ था; अक्टूबर में होने वाली थी शादी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 19 साल की युवती का शव उसके ही घर में मिला है। उसके गले पर धारदार हथियार से काटने के निशान हैं। परिजन ने मंगलवार सुबह शव को देखा और करीब 7.30 बजे पुलिस को सूचना दी। घटना टीटी नगर की है। युवती की अक्टूबर में शादी होनी थी। टीआई गौरव सिंह ने बताया कि मौके से कोई धारदार हथियार बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि घर में कोई बाहरी व्यक्ति घुसा था या नहीं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई है। पुलिस ने हमीदिया अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

घर में चल रही थी शादी की तैयारी

परिजनों ने बताया कि जून में रोशनी की कोहेफिजा इलाके के रहने वाले एक युवक से सगाई हुई थी। अक्टूबर में उसकी शादी तय थी। घर में शादी को लेकर तैयारियां चल रही थीं। रोशनी ने एक दिन पहले ही रिश्तेदारों को शादी के लिए खरीदे कपड़े दिखाए थे। रोशनी के पिता फेरी लगाकर कपड़े बेचते हैं।

सतना के कांग्रेस कार्यकर्ता पीसीसी के बाहर धरने पर बैठे

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष बोले- जिनके पूर्वज बिहार के हैं, उसे सतना का शहर अध्यक्ष बनाया

भोपाल (नप्र)। 16 अगस्त को कांग्रेस के सभी 71 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों की घोषणा हुई। जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा के बाद से ही अलग-अलग जिलों से विरोध के मामले सामने आ रहे हैं। सतना शहर अध्यक्ष बनाए गए आरिफ इकबाल सिद्दीकी के खिलाफ युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मकसूद अहमद शेरू भोपाल पहुंचे और प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर टेंट लगाकर धरने पर बैठ गए।

शहरी क्षेत्रों की सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्य में रखी जाये पारदर्शिता : मंत्री विजयवर्गीय

- **आगामी त्यौहारों को देखते हुए मरम्मत कार्य को दें प्राथमिकता**

भोपाल (नप्र)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि आगामी त्यौहारों के सीजन को देखते हुए सड़क मरम्मत से जुड़े कार्यों को विभाग प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में सड़क पर बोर्ड के माध्यम से निर्माण एजेंसी और निविदा शर्तों के बारे में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को उससे जुड़ी आवश्यक जानकारी दी जाये। मंत्री श्री विजयवर्गीय सोमवार को मंत्रालय में समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने बताया कि शहरी क्षेत्रों पर लगातार आबादी का दबाव बढ़ रहा है। इसका असर शहरी क्षेत्र की अधोसंरचना पर पड़ रहा है। उन्होंने इस बात को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिये कहा। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में वर्तमान में 2 करोड़ 50 लाख से ज्यादा परिवार शहरी परिधि में निवास कर रहे हैं। शहरी क्षेत्र प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 35 प्रतिशत से अधिक योगदान दे रहे हैं। रियल एस्टेट क्षेत्र में 8 लाख 32 हजार से अधिक किफायती घर बनकर तैयार हो चुके हैं और 10 लाख मकान निर्माणाधीन हैं। प्रदेश में अक्टूबर 2019 से अब तक लगभग 51 हजार करोड़ रूपये के निवेश से शहरी कल्याण के कार्य चल रहे हैं। इस सब को देखते हुए शहरी क्षेत्रों में अधोसंरचना पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

नागरिकों की सुविधा का रखें ध्यान- नगरीय निकायों को दिये गये निर्देश के अनुसार सड़क निर्माण के बाद संकेतक अनिवार्य रूप से लगाये जायें। नगरीय निकायों को शहरी क्षेत्रों में सड़कों के आस-पास पौधरोपण पर भी विशेष ध्यान देने के लिये कहा गया है। सड़कों की सुरक्षा एवं स्पीड ब्रेकर निर्धारित मापदंड के अनुसार हो, यह सुनिश्चित किया जाये।

सड़क निर्माण को लेकर दिये दिशा-निर्देश

विभागीय मंत्री के निर्देश के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने सड़क निर्माण कार्य से जुड़े अमले को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। निर्देश में कहा गया है कि सड़क निर्माण कार्य की निविदाएं केवल ई-निविदा के माध्यम से ही जारी की जायें। सड़क निर्माण की कार्ययोजना तैयार करते समय परियोजना प्रबंधन का भी प्रावधान किया जाये। इसी के साथ सड़क निर्माण कार्य की कार्ययोजना तैयार करते समय 3 वर्ष का मेंटनेंस प्रावधान आवश्यक रूप से रखा जाये। कांक्रीट सड़क निर्माण के वक्त विभागीय अधिकारी आवश्यक प्रक्रिया का पालन कराया जाना सुनिश्चित करें। प्रत्येक कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व एवं समाप्ति के बाद जियो टैग फोटो का संधारण अनिवार्य रूप से किया जाये। निविदा की शर्तों का डिजिटाइजेशन किया जाये।

हेमंत खंडेलवाल बोले- आज मेरे जन्मदिन पर होर्डिंग न लगवाएं

- **बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने कहा-मैंने किसी और जनप्रतिनिधि के लिए आदेश नहीं, विनम्र अपील की है**

भोपाल (नप्र)। 3 सितंबर को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का जन्मदिन है। हेमंत खंडेलवाल ने अपने 61वें जन्मदिन के पहले कार्यकर्ताओं और समर्थकों से होर्डिंग और बैनर-पोस्टर लगाकर प्रदर्शन से बचने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा-आदरणीय कार्यकर्ता भाइयों एवं बहनों, आप सभी से विनम्र आग्रह है कि मेरे जन्मदिन पर होर्डिंग्स, बैनर या किसी प्रचार माध्यम से कृपया शुभकामनाएं न दें। आपका स्नेह और संगठन

के प्रति समर्पण ही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। आप सभी के आशीर्वाद और निरंतर समर्थन के लिए मैं हृदय से कृतज्ञ हूं।

खंडेलवाल बोले- मैंने आग्रह किया है, किसी और के लिए आदेश नहीं- जन्मदिन को लेकर की गई अपील पर जब हेमंत खंडेलवाल से सवाल पूछा तो उन्होंने कहा- ये मैंने किसी और जनप्रतिनिधि के लिए नहीं कहा है। मैंने अपने लिए आग्रह किया है, क्योंकि मुझे लग रहा था कि प्रदेश अध्यक्ष के नाते हमें शुचिता का परिचय देना चाहिए। बहुत ज्यादा प्रदर्शन पोस्टर, होर्डिंग और इस तरह की चीजों से बचना चाहिए। मैंने विनम्र आग्रह किया है। किसी तरह का आदेश नहीं दिया है।

बतौर प्रदेश अध्यक्ष दो महीने पूरे- हेमंत खंडेलवाल एक जुलाई को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चुने गए थे। बतौर प्रदेश अध्यक्ष उन्होंने दो महीने पूरे कर लिए हैं। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उनका यह पहला जन्मदिन है। खंडेलवाल सादगी से जन्मदिन मनाने का संदेश दे रहे हैं ताकि कार्यकर्ताओं में प्रदर्शन के बजाए सादगी का संदेश जाए।

संपादकीय

'आधार' पर सुप्रीम फैसला...

आधार कार्ड को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह कहकर कि आधार नागरिकता का एकमात्र प्रमाण नहीं हो सकता, राजनीतिक दलों को झटका दिया है। इस फैसले से जहां चुनाव आयोग के रूख की पुष्टि हुई है, वहीं जो सियासी पार्टियां बिहार में मतदाता सूची अपडेट कराने 'आधार' को आधार मानने की मांग कर रही थीं, उन्हें निराशा हुई होगी। जाहिर है कि उन्हें अब नई रणनीति बनानी होगी। कोर्ट ने कहा कि अदालत ने स्पष्ट किया कि आधार की स्थिति को कानून द्वारा निर्धारित सीमा से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। राजनीतिक दलों की मांग थी कि कोर्ट चुनाव आयोग को आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने का निर्देश दिया जाए ताकि लोग विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार बिहार मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकें। शीर्ष अदालत ने कहा कि आधार की स्थिति को कानून में निर्धारित सीमा से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने पहले कहा था कि वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए चुनाव आयोग द्वारा निर्दिष्ट अन्य दस्तावेजों के साथ आधार एक पहचान दस्तावेज हो सकता है। वहीं, सोमवार को कहा, आधार वेरिफिकेशन के लिए दस्तावेजों में से एक होगा। अब यहां सवाल उठता है कि यदि आधार भारत की नागरिकता का प्रमाण नहीं है, तो फिर क्या है? अगर यह दस्तावेज नागरिकता का सबूत नहीं है तो फिर सरकार इससे हर व्यवस्था को लिंक करने पर विवश क्यों कर रही है? यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि देश में नागरिकता के दो ही मान्य दस्तावेज हैं पहला पासपोर्ट तथा दूसरा वोटर आईडी (मतदाता पहचान पत्र)। इसके अलावा जन्म प्रमाण पत्र को भी नागरिकता के आधारभूत दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाता है। आधार की तरह पेन कार्ड भी नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं है। ऐसी स्थिति में केवल वोटर आईडी ही भारत की नागरिकता का डाक्युमेंट है। देश में करीब साढ़े 9 करोड़ पासपोर्ट धारी हैं। लेकिन पासपोर्ट वो ही लोग बनवाते हैं, जिन्हें किसी न किसी कारण से विदेश जाना होता है। इसी तरह भारत में 143 करोड़ आधार कार्डधारी हैं। हालांकि आधार कार्ड बनवाने में फर्जीवाड़ा भी खूब हो रहा है। इसलिए उसे विश्वसनीय दस्तावेज नहीं माना जाता। हालांकि सरकार सभी सेवाओं को आधार से लिंक करती जा रही है, क्योंकि वह इस अधिकृत पहचान पत्र मानती है। जबकि चुनाव आयोग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक देश में 100 करोड़ लोगों के पास वोटर आईडी कार्ड हैं। आयोग वोटर आईडी को आधार से लिंक कराना अनिवार्य कर रहा है। हालांकि वोटर आईडी भी फुलप्रूफ तरीके से बन रहे हैं, ऐसा नहीं माना जा सकता। जहां तक बिहार का सवाल है तो आधार को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का एक प्रमुख दस्तावेज मनवाने की उनकी कोशिश अब नाकाम हो चुकी है। उधर चुनाव आयोग राज्य में 3 लाख वोटरों के नाम हटाने जा रहा है। ये वो वोटर हैं,जिनकी पुष्टि नहीं हुई है। वैसे भी बिहार में मतदाता सूची में पैंसठ लाख मतदाताओं के नाम गड़बड़ पाए गए हैं। विपक्ष को शक है कि फर्जी मतदाता हटाने की आड़ में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यकों और दलितों के नाम काटे जा सकते हैं, जिसे वो अपना वोट बैंक मानते हैं। हालांकि चुनाव आयोग का कहना है कि जो कुछ हो रहा है, वह विधिवत ही हो रहा है। इसमें किसी गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है। कुल मिलाकर बिहार विस चुनाव के पहले वोट चोरी और फर्जी वोटरों का मामला और गंभीर होता जा रहा है। इसका चुनाव नतीजों पर कितना असर पड़ेगा, यह तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे।

नजरिया

सुधीर मोता

लेखक साहित्यकार हैं।

क्या मजाल कोई हमें चुरा सके

एक नटखट बालक के रूप में श्री कृष्ण ने बालक दल के साथ माखन चोरी की और सामान्य बच्चों की ही तरह मां का दिया दंड भी झेला। हर व्यक्ति में किंचित व्याप्त काव्य गुण के कारण हम उन्हें माखन चोर कहने में आनंद अनुभव करते हैं । उत्सव के समय उल्लास से गणपति को आधा लड्डू चोरया के नारे की अजीब सी तुकबंदी के साथ पुकारते हैं। आधुनिक युग के चरणदास चोर और घासीराम कोतवाल नामक नाटक के बारे में हर कला रसिक जानता है। चार्ली चेपलिन का तो शव तक चुरा लिया गया था। 2004 में हमारे देश के गौरव रवींद्रनाथ टैगोर का नोबल मेडल भी चोरी हुआ। कुछ लोग संदेह में पकड़े भी गये पर मेडल नहीं मिला। अंततः नोबल समिति ने सोने और चांदी की दो प्रतिकृतियां विश्व भारती विवि को भेंट कीं। प्रसिद्ध उर्दू लेखक राजिंदर सिंह बेदी की एक संस्मरणात्मक रचना का नाम ही शीने सुखन याने कविता की चोरी है।

ये मामला एक सफल फिल्म के उस दृश्य से शुरू नहीं हुआ जिसमें दो बच्चों के हाथ पर लिख दिया जाता है - मेरा बाप चोर है । यह बात उन में से एक बच्चे को विद्रोही तो बनाती ही है बड़ा होते होते अपराधी भी बना देती है। दूसरा बच्चा पुलिस बनता है। इस सब के मूल में वह ग्लानि है जो उस पिता को आत्महत्या करने पर विवश कर देती है जिसे अच्छा और मजदूर संगठन के हित में काम करने के बाद भी षड्यंत्र पूर्वक चोर करार दिया जाना कोई सुनना तक गंवारा ना करे। हम चौर्य कर्म की प्राचीनता को कालीदास, शूद्रक भास आदि के नाटकों से जानते हैं। मृच्छकटिकम नामक नाटक में चारूदत्त और वसंतसेना राजा आर्यक आदि पात्र हैं । घटनायें आरोप प्रत्यारोपों को मृत्युदंड तक ले जातीं हैं, अंत सुखांत होता है। पूरा कथानक हम अपने अपने दृष्टिकोण से भूत, वर्तमान या किसी भी अनुभव से जोड़ सकते हैं

एक नटखट बालक के रूप में श्री कृष्ण ने बालक दल के साथ माखन चोरी की और सामान्य बच्चों की ही तरह मां का दिया दंड भी झेला। हर व्यक्ति में किंचित व्याप्त काव्य गुण के कारण हम उन्हें माखन चोर कहने में आनंद अनुभव करते हैं। उत्सव के समय उल्लास से गणपति को आधा लड्डू चोरया के नारे की अजीब सी तुकबंदी के साथ पुकारते हैं। आधुनिक युग के चरणदास चोर और घासीराम कोतवाल नामक नाटक के बारे में हर कला रसिक जानता है। चार्ली चेपलिन का तो शव तक चुरा लिया गया था । 2004 में हमारे देश के गौरव रवींद्रनाथ टैगोर का नोबल मेडल भी चोरी हुआ। कुछ लोग संदेह में पकड़े भी गये पर मेडल नहीं मिला । अंततः नोबल समिति ने सोने और चांदी की दो प्रतिकृतियां विश्व भारती विवि को भेंट कीं। प्रसिद्ध उर्दू लेखक राजिंदर सिंह बेदी की एक संस्मरणात्मक रचना का नाम ही शीने सुखन याने कविता की चोरी है ।

प्रसिद्ध लेखक डॉमिनिक जिन्होंने निकट इतिहास और वर्तमान को खंगाल कर लेरी कालिंस के साथ और कुछ अकेले कई पुस्तकें लिखी है जिनमें भारत के स्वतंत्र होने की कथा फ्रीडम एट मिडनाइट भी है। उनकी पुस्तक इज न्यूयार्क बर्निंग में पाकिस्तान से अणु बम चोरी किया जा कर और उसके अमेरिका के न्यूयार्क में अपनी मांगे मनवाने के उद्देश्य गुप्त रूप से रखे जाने और अंततः पकड़े जाने की सत्यकथा है। ओलंपिक मेडल चुराये जाने की घटनायें भी कई हैं। विक्टोरिया क्रॉस जैसे सम्मान चिंह तक चुरा लिये गये। हमारे अपने देश की कई गौरवशाली धरोहरें ब्रिटिश शासकों द्वारा चुरा कर ले जाई गईं पर उन्हें चोरी नहीं कहा जा पा रहा। हमारा कोहिनूर हीरा अपनी बहुमूल्य चमक और भार, आकार के कारण देश देशांतर भटकने को अभिशप्त रहा। अंततः ब्रिटेन की साम्राज्ञी के मुकुट में जा टंका। अन्य कई बड़े हीरों की तरह इसके बारे में भी यह मान्यता है कि इसे केवल महिलायें ही पहन सकतीं हैं। अब कभी कभार भारत पाक इन दो देशों से कुछ स्वर इसे लौटाये जाने के लिये उठते रहते हैं। फिलहाल यह, कभी सूरज न डूबने के लिये प्रसिद्ध देश में किसी महिला द्वारा मुकुट पहने

जाने की प्रतीक्षा में है।

अपनी लोकोक्तियों की माने तो कहा जाता है कि चतुर्दशी का चांद जो देख लेता है, उस पर चोरी का झूठा आरोप लगता है। कुछ लोग इसे समर्थन देते हुए कुछ विशेष चउदसों से इस मान्यता को जोड़ते हैं। अंधविश्वास होते हुए भी यह उस मार्मिक अनुभव से जुड़ता है जो मिथ्या आरोप में बिंधे व्यक्ति का पोर पोर क्षत विक्षत कर देता है। अधिकतर लोग अपने किसी कुशल कर्मचारी द्वारा की गई छोटी हेराफेरी के संदेह को करूरता पूर्वक नग्न ना करते हुए अप्रत्यक्ष रूप से नसीहत देते हुए दरकिनार करते हैं। यह इसलिये कि हमें पता नहीं कि सचमुच में गड़बड़ है भी या मात्र वहम है। वह कारिंदा अन्यथा कारोबार में बड़ा सहायक है और उसका कोई एवजी हमें तत्काल उपलब्ध नहीं। ग्राहक बीस के नोट की जगह दो सौ का नोट दे गया तब दुकानदार उसे लौटा दे यह भी हमेशा नहीं होता। हमें यह भी पता है कि दूध के धुले इंसान जब हम स्वयं ही नहीं तो इस युग में और कहां से लायेंगे। हमारी अपनी सावधानी और भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि अपनी अर्जित की गई संपत्ति या आमदनी में सेंध लगने से रोकने की व्यवस्था हमें ही करनी है।

अब रही बात हमारे वोट की जो कि समाचारों का नवीनतम संदर्भ है, आंदोलनों का भी। हम सब जानते हैं कि हर बहुमूल्य वस्तु चोरी हो सकती है और उसकी सुरक्षा उसे ही करना होती है जो उसका स्वामी हो। हम उपासना करने का आसन भी कार्य हो जाने के बाद उठा कर घड़ी कर संभाल कर रख देते हैं। हमारा वोट कभी पेटियों में और अब मशीनों में हमारी इच्छा से पहुंचे यह हम ध्यान रखते हैं। पर यह भी सच है कि हर मतदान वाले दिन किसी मैच की तरह पैंतरे रचे जाते हैं। हमें उम्मीदवारों की गाड़ियां लेने आयें, एक रात पहले शराब, पैसा बंटे, दलों में आधिकारिक रूप से पैसा सुविधायें बांटने की होड़ मचे, हमारी जाति धर्म की तुरूप चालें खेली जायें। ऐसे कई तरह के दांव गेंद को गोल में दागने के लिये होते हैं। गेंद कौन है ? हम ही तो हैं। एक गेंद मैदान में कैसी मटकती हुई पिटती पिटाती नाचती रहती है। वैसे ही हम भी तो किसी बल्ले स्टिक पंजों कंधों सिरों और हथेलियों से धकाये जा कर विजेता को मैडल दिलाते हैं। पर एक गेंद के रूप में हमारा कर्तव्य क्या है? महाभारत के पांसें की तरह कोई शकुनि हम में छलपूर्वक कोई कीट भर कर किसी पाले में ले जाने का कपट तो नहीं कर रहा ? पर हमें भी तो आनंद आता है। हम में से कितने हैं जिन्होंने अपने परिजनों की मृत्यु पर उनके नाम सूची से प्रयत्नपूर्वक हटवाये ? बच्चों के बाहर जाने पर उनका नाम दो दो जगह नहीं रहने दिया ? अपना घर बदले जाने पर तुरंत ही बदलाव करवाये ? हमारे घरेलू सहायक किसी दूसरे देश का तो नहीं ? हमारा वोट कीमती है पर कोहिनूर हीरे की तरह निर्जीव नहीं कि हम कोई भी उपाड़ कर ले जाये और मुकुट सजा ले । हम तो खुद ही राजे बनाने हटाने की कूचत रखते हैं । पर हम तो उस महिला से भी गये बीते हैं जो सौत ना आ सके इसलिये पूरी सावचेती बरतती है। हमारे अधिकार को कोई कैसे घुसपैठ कर साझा कर सकता है भला ? अब हम निरीह भाव से किसी हीरे की तरह इन तकरारों को देख रहे हैं। ताज्जुब यही है कि दो पक्ष आन जुटे हैं और दोनों कह रहे हैं कि गलत हुआ है और हो रहा है, दोनों का मंतव्य तो यही लगता है कि इसे ठीक किया जाये। पर बड़ी रार मची है।

अब तक गड़बड़ हुई या नहीं हुई सो अपनी जगह, पर अब ना हो इसके लिये सुरक्षा तो करना ही होगी। इसके लिये हमें सक्रिय होना होगा, हमें गेंद की तरह इस्तेमाल करने वाले खिलाड़ियों को नहीं। चोर शब्द को अपनी भाषा में इतना आसानी से भी न ले आयें कि असली लिहाज ही खत्म हो जाये। यह उत्तेजना इतनी बढ़ रही कि आम जीवन के गाली गलौच के शब्द लाउड हो कर मंचों तक आ गये। लोकतंत्र में व्यवस्था का ही दायित्व है कि वह कुछ भी गलत ना होने दे पर हम सब इस में अकसर किसी ना किसी लालच से लिप्त हो जाते हैं। इस गणतंत्र में हम कौन सा गणवेश पहनें यह हम ही तय करेंगे। इसके लिये अपने को बेशकीमती तो समझें पर निढाल निर्जीव हीरे की तरह तो ना पड़े रहें। क्या मजाल कोई हमें चुरा सके। हम मतदाता ही तो हीरो चुनते हैं। हमारी मति हमारा मत ना हिरा दे इसके लिये कान बंद करने और आंखें खुली रखने का समय है।

भूमिका

डॉ. विनोद सेन

सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक (म.प्र.)

अमेरिकी टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

भारत और अमेरिका लंबे समय से एक-दूसरे के प्रमुख व्यापारिक साझेदार रहे हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया जो बुधवार 27 अगस्त 2025 से प्रभावी हो गया, जिससे भारत के अरबों डॉलर के व्यापार पर असर पड़ेगा। अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यातों पर 50त्न तक की उच्च दर से टैरिफ लगाने से दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच व्यापारिक तनाव की एक नई स्थिति उत्पन्न हुई है। यह निर्णय भले ही भू-राजनीतिक और व्यापार नीति के पुनर्संतुलन से प्रेरित हो, लेकिन इसके प्रभाव भारत की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था, व्यापार संतुलन और समग्र आर्थिक दिशा पर गहरे और बहुआयामी हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने से भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों में नई चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं। भारतीय निर्यात में स्टील, एल्युमिनियम, टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स, आईटी सेवाएँ और कृषि उत्पादों की बड़ी हिस्सेदारी है। ऐसे में टैरिफ बढ़ने से भारतीय वस्तुएँ अमेरिकी बाजार में महंगी हो जाएँगी, जिससे मांग घटने और निर्यात पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा भंडार और निर्यात-आधारित रोजगार पर दबाव बढ़ेगा, बल्कि लघु एवं मध्यम उद्योगों को भी गहरी चोट पहुँचेगी। जिसके कारण भारतीय निर्यात घट सकता है और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ सकता है।

इसी खींचतान के बीच अमेरिकी सरकार ने भारतीय स्टील, एल्युमिनियम, कृषि और टेक्सटाइल जैसे उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया, जिसका सीधा असर भारतीय निर्यातकों और रोजगार पर पड़ा रहा हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है, जहाँ 2023-24 में भारत का निर्यात 80 बिलियन डॉलर से अधिक का रहा, लेकिन टैरिफ बढ़ने से भारतीय वस्तुएँ अमेरिकी बाज़ार में महँगी हो जाएगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता घट जाएगी, इस स्थिति का असर विशेषकर लघु एवं मध्यम उद्योगों, कपड़ा उद्योग, कृषि आधारित उद्योग के साथ-साथ अन्य उद्योग पर भी पड़ेगा। क्योंकि ये क्षेत्र पहले से ही घरेलू स्तर पर लागत और उत्पादन की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। जब अमेरिकी उपभोक्ताओं को सस्ती वस्तुएँ अन्य एशियाई देशों से मिलने लगेगी तो भारतीय वस्तुएँ महँगी होने के कारण स्वतः ही बाजार में पीछे हो जाएगी। नतीजतन, निर्यात घटने से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा, उत्पादन में गिरावट आएगी और लाखों श्रमिकों के रोजगार पर खतरा मंडराने लगेगा,यही कारण है कि विशेषज्ञ मानते हैं कि अमेरिका के टैरिफ भारत की आर्थिक वृद्धि दर को धीमा कर सकते हैं, क्योंकि भारत की GDP में निर्यात का योगदान महत्वपूर्ण है। समय-समय पर दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ताएँ होती रही हैं, जिनमें टैरिफ विवाद सुलझाने की कोशिश की जाती है, लेकिन व्यावहारिक तौर पर देखा जाए तो अमेरिकी टैरिफ से भारत की अर्थव्यवस्था पर कई स्तरों पर असर पढ़ेगा।

टैरिफ के कारण भारत में प्रभावित प्रमुख क्षेत्र

अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए उच्च टैरिफ के कारण कई प्रमुख क्षेत्र गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। वस्त्र और परिधान क्षेत्र, जो सालाना लगभग 2.3 लाख करोड़ का योगदान देता है और भारत के लिए अमेरिका का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है, इस टैरिफ वृद्धि से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। पहले 25 प्रतिशत टैरिफ था, जो अब 50 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है और निर्यातकों में भारी चिंता व्याप्त है। इसी तरह, रत्न और आभूषण क्षेत्र, जिसका लगभग एक-तिहाई निर्यात अमेरिका को होता है, अब प्रतियोगिता की दौड़ में पीछे रह गया है, जिससे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में रोजगार के संकट का खतरा बढ़ गया है। समुद्री और कृषि उत्पाद जैसे झींगा, बासमती चावल और चाय भी 26 प्रतिशत के नए टैरिफ से प्रभावित हो रहे हैं, जो उनकी लाभ मार्जिन और निर्यात मात्रा को कम कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, ऑटो पार्ट्स, कालीन, हस्तशिल्प, चमड़ा और जूते, तथा फर्नीचर जैसे क्षेत्र भी इस टैरिफ के दायरे में आने से गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं, क्योंकि इन उत्पादों की बड़े पैमाने पर अमेरिकी बाजार में मांग है।

दवाइयाँ और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं क्योंकि इन्हें कुछ छूट मिली हुई है और इनकी

अमेरिकी मांग स्थिर बनी हुई है, जो व्यापक व्यापारिक झटकों से राहत का स्त्रोत हैं। व्यापक आर्थिक स्तर पर, अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष लगभग 3.7 लाख करोड़ का अब घाटे में बदलने का जोखिम है, यदि सभी निर्यातों पर नए टैरिफ लागू होते हैं। भारत के घरेलू संकेतक जैसे विनिर्माण पीएमआई, ई-वे बिल और उपभोक्ता खर्च मजबूत बने हुए हैं, लेकिन बाह्य क्षेत्र में चुनौतियाँ बढ़ रही हैं।वित्त मंत्रालय ने इन प्रभावों को 'विलंबित लेकिन महत्वपूर्ण' बताया है और व्यापार नीति में विविधता लाने की आवश्यकता पर बल दिया है। टैरिफ की अनिश्चितता ने विशेष रूप से निर्यात-आधारित लघु एवं मध्यम उद्योगों के निवेशकों की भावना को प्रभावित किया है, जिससे भारतीय रुपये के अवमूल्यन का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। हालांकि, भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में सुधार और जीएसटी तथा विनियमन में सुधार दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान करते हैं जो इन प्रभावों को संतुलित करने में सहायक हैं। इस प्रकार, भारत के कई मुख्य उद्योग टैरिफ के प्रभाव से चोटिल हुए हैं, जिसका मुकाबला करने के लिए नीति स्तर पर सतत सुधार और रणनीतिक कदम आवश्यक हैं।

भारत की रणनीतिक प्रतिक्रियाएँ

इस परिस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत को अपने व्यापारिक साझेदारी के दायरे को और विस्तृत करना होगा ताकि किसी एक देश की नीतिगत अस्थिरता से उसकी अर्थव्यवस्था पर गहरा असर न पड़े।भारत ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और EFTA के साथ व्यापार समझौते के लिए वार्ताएँ कर रहा है ताकि अमेरिकी बाजार में नुकसान की भरपाई की जा सके। इसी बीच सरकार 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) जैसी योजनाओं को आगे बढ़ा रही है ताकि घरेलू उत्पादन बढ़े और निर्यात को नया बल मिले। साथ ही, सरकार को छोटे और मध्यम उद्यमों को विशेष समर्थन और सब्सिडी प्रदान करनी चाहिए, ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रह सकें। निर्यातकों के लिए सस्ते वित्त और मार्केटिंग सहायता को बढ़ावा देना तथा घरेलू मांग को प्रोत्साहित करने के लिए टैक्स दरों में कमी करना भी एक प्रभावी कदम हो सकता है। फिर भीअल्पकालिक चुनौतियाँ बरकरार हैं क्योंकि अमेरिका का टैरिफ सीधा-सीधा भारतीय वस्तुओं की लागत को बढ़ाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि भारत अपने निर्यात की विविधता बढ़ाए, उच्च मूल्य वर्धित उत्पादों पर ध्यान दे और मुक्त व्यापार समझौतों को तेजी से लागू करे तो वह अमेरिकी टैरिफ के नकारात्मक प्रभाव को कम कर सकता है,वहीं अमेरिका भी चीन के साथ बढ़ते तनाव के कारण भारत को एक भरोसेमंद व्यापारिक साझेदार के रूप में देखता है, इसलिए पूरी संभावना है कि आने वाले वर्षों में दोनों देश टैरिफ विवाद को किसी न किसी स्तर पर संतुलित करेंगे। कुल मिलाकरअमेरिकी टैरिफ का भारत पर असर सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक भी है- यह भारत को अपनी नीतियों में आत्मनिर्भरता की ओर धकेलता है और उसे वैश्विक व्यापारिक साझेदारी में विविधता लाने की प्रेरणा देता है, लेकिन साथ ही यह एक चेतावनी भी है कि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता अर्थव्यवस्था के लिए कितना खतरनाक हो सकता है। आज आवश्यकता है कि भारत दीर्घकालिक रणनीति के तहत अपनी निर्यात नीति को अधिक लचीला बनाए, घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनाए और अमेरिका के साथ कूटनीतिक संवाद को मजबूत रखे, ताकि व्यापारिक विवाद राजनीतिक साझेदारी पर हावी न हो सके और भारतीय अर्थव्यवस्था निरंतर विकास की राह पर बनी रहे।

आपदा में अवसर

अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ ने भारतीय व्यापार को एक बड़ा झटका दिया है, लेकिन इसे एक चुनौती के साथ-साथ अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। अब समय है कि भारत अपनी व्यापार नीतियों में बदलाव लाए और अमेरिका पर निर्भरता कम करते हुए अफ्रीका, यूरोप, चीन तथा अन्य उभरते बाजारों के साथ नए व्यापारिक संबंध स्थापित करे। व्यापार के इन विविधीकरण से न केवल निर्यातकों को नए अवसर मिलेंगे, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी मजबूती आएगी।

साथ ही, भारतीय उत्पादों को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए तकनीक और नवाचार में व्यापक निवेश करना आवश्यक है। उच्च गुणवत्ता और अनोखे डिजाइन वाले उत्पादों का उत्पादन कम लागत में करना होगा ताकि वे अमेरिका के टैरिफ से प्रभावित होने के बावजूद ग्लोबल बाजार में आकर्षक विकल्प बन सकें। टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, और समुद्री खाद्य जैसे क्षेत्रों में तकनीकी अपग्रेड और गुणवत्ता मानकों को बढ़ा कर भारतीय वस्तुएं विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त, भारत को घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना होगा ताकि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। यह न केवल रोजगार सृजन में मदद करेगा बल्कि भारत की आर्थिक स्थिरता को भी बढ़ाएगा। व्यापार में इस पुनर्संरचना से देश को दीर्घकालिक लाभ होगा और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के अनुकूल ज्यादा लचीला बनायेगा। इस प्रकार, अमेरिका के टैरिफ नीति द्वारा उत्पन्न संकट से सीख लेकर, भारत अपनी व्यापार रणनीति को निखारकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी जगह और मजबूत कर सकता है। यह समय है कारोबार को व्यापक दृष्टिकोण से देखने और नवाचार के बल पर भविष्य के नए अवसर तैयार करने का।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आंसू बैंक और राष्ट्रीय रुदन मुद्रा

एक दिन, सरकार ने 'राष्ट्रीय आंसू बैंक योजना' की घोषणा की। यह एक ऐतिहासिक कदम था, जिसका उद्देश्य देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना था। हर नागरिक को एक 'आंसू खाता' खोलना अनिवार्य था, जिसमें वे अपने दुखों और निराशाओं से निकले आंसू जमा कर सकते थे। सुबह-सुबह बैंकों के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लगतीं, जहाँ लोग अपने गमों को एक छोटी सी बोतल में भर कर जमा करते थे। बैंक अधिकारी इन आंसुओं की मात्रा और 'शुद्धता' की जांच करते थे। सबसे शुद्ध आंसू वे माने जाते थे, जो टूटे हुए वादों, बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई से पैदा होते थे। इन आंसुओं को 'रुदन मुद्रा' नाम दिया गया, जिसे एक नई राष्ट्रीय करेंसी के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा।

यह रुदन मुद्रा ही देश की अर्थव्यवस्था का नया आधार बन गई। नेता इन आंसुओं को बड़े-बड़े टैंकरों में भरकर चुनावी रैलियों में छिड़कते थे, ताकि जनता और ज्यादा भावुक हो सके। मीडिया इसे 'भावनात्मक विकास' का प्रतीक बताती थी और अर्थशास्त्री इसे 'अभूतपूर्व आर्थिक क्रांति' कहते थे। धीरे-धीरे, लोगों ने हंसना बंद कर दिया, क्योंकि हंसने से उनका 'आंसू बैंक' खाली हो जाता था। हर तरफ एक अजीब सी उदासी छा गई। किसी के घर में शादी होती, तो भी लोग दुखी होकर रोते थे, ताकि वे ज्यादा आंसू जमा कर सकें। किसी के यहाँ बच्चा पैदा होता, तो भी लोग रुदन करते थे, क्योंकि उन्हें पता था कि उसका भविष्य भी आंसूओं से ही बनेगा। सरकार ने इस योजना को 'सुखी भारत' का नाम दिया, क्योंकि उनके अनुसार, सच्चा सुख तो दुख के व्यापार में ही था। और इस तरह, एक ऐसा राष्ट्र बन गया, जहाँ हर नागरिक अपने दुःख का सौदा करता था, और सबसे अमीर वही था, जिसके पास सबसे ज्यादा आंसू थे।

इस राजनीतिक सर्कस में, करुणा अब सबसे महंगी वस्तु है। इसे सिर्फ तब खरीदा जाता है, जब कैमरे चालू होते हैं। नेता मंच पर आते हैं और गरीब, मजबूर लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं, पर यह करुणा सिर्फ एक दिखावा है, एक नाटक है, जिसका मकसद सिर्फ और सिर्फ वोट कमाना है। वे हमारे दुखों को एक स्क्रिप्ट में बदल देते हैं और हमारे आंसूओं को एक चुनावी रणनीति में। हम इस बात से भलीभांति वाकिफ हैं, पर फिर भी हम इन दिखावटी आंसुओं पर भरोसा कर लेते हैं। हम यह सोचकर भावुक हो जाते हैं कि कम से कम कोई तो है, जो हमारी पीड़ा को समझता है। पर क्या कोई यह जानता है कि जिस हाथ से वे आंसू पोछते हैं, उसी हाथ से वे हमारे भविष्य को बेचते हैं? यह एक क्रूर मजाक है, जहाँ करुणा एक हथियार बन चुकी है। हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं, जहाँ हमें झूठे आंसूओं पर भरोसा करने के लिए मजबूर किया जाता है और असली करुणा को हाशिये पर धकेल दिया जाता है।

यह सब क्या है? एक अंतहीन कब्रिस्तान, जहाँ वादे दफन हैं; एक मंच, जहाँ मूर्तियां अभिनय कर रही हैं; एक शोकसभा, जहाँ रुदन का व्यापार हो रहा है; एक सामूहिक अवसाद, जहाँ हर कोई अपनी निराशा में अकेला है; और एक पीड़ा, जो बिना आवाज के भी गूंजती है। यह कोई राजनीतिक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक महा-श्मशान है, जहाँ हमारे आदर्श, हमारी उम्मीदें और हमारी आत्माएं जल रही हैं। हम सब इस श्मशान के हिस्से हैं, हम सब इस आग में जल रहे हैं। और सबसे दुखद बात यह है कि हमें यह लगता है कि यही जीवन है।

बातें किताबों की

ज्योति जैन

लेखिका साहित्यकार हैं।

इसी बहाने हमारी धूल भी साफ हो गई

सब एक-दूसरे से आपस में परिचय लेने लगीं... कहां-कहां से आई हैं, सब अपनी-अपनी यात्रा बताने लगीं। उस बॉक्स में जो किताबें करीने से थीं, वह कहने लगीं, 'जो मेरी मालकिन है ना, वो किताबों की बड़ी शौकीन है। वो बचपन में जब भी रेल यात्रा करती थी, तो उसका सबसे बड़ा आकर्षण ही यही था कि प्लेटफार्म से किताबें खरीदने को मिलती थी। लेकिन अब वो बूढ़ी हो गई हैं। उन्हें लगता है कि मेरे बाद तो किताबें रद्दी में ही जाएंगी। तो क्यों ना मैं लाइब्रेरी में ही दान कर दूं।' हां... अच्छा कहा।' दूसरे बॉक्स में से झांकती किताबों ने कहा-'रेलयात्रा में तो अपने मजे ही होते थे, कितनी पूछ-परख होती थी हमारी...! सारे बच्चे हमारा आदान-प्रदान करते रहते थे और उनका सफर तो हमें पढ़ते हुए ही गुजरता था। लेकिन आज तो देखो, पूरी यात्रा ऐसे ही निकल जाती है। कोई एक-आध भला मानुस ही हमें खरीदता है। और अब तो स्टेशन पर हमारे ठेले भी नजर नहीं आते। सब यात्री मोबाइल में मुंह दिए बैठे रहते हैं।यहां तक कि एक-दूसरे से परिचय तक नहीं होता।'

आज तो उस हॉल में बड़ी चहल-पहल थी। मोटी-पतली, साफ-सुथरी, कुछ गंदी, कुछ नए नकोर सफेद पेज वाली तो कुछ पीले पड़ चुके पन्नों वाली... हर साइज की, हर रंग के कवर की... मोटी-पतली, छोटी-बड़ी सारी किताबें एकत्र थीं। कुछ किताबें तो बड़ी व्यवस्थित बॉक्स में रखी हुई थीं और कुछ थैले में ऐसी ठूंसी हुई थीं जैसे मुंबई की लोकल ट्रेन में यात्री ठूंसे पड़े रहते हैं। सारी किताबें बिना बोले भी अपने-अपने मालिकों की आदत का बखान कर चुकी थीं। जब सन्नाटा हो गया तो किताबों ने खुलना शुरू किया।

सब एक-दूसरे से आपस में परिचय लेने लगीं... कहां-कहां से आई हैं, सब अपनी-अपनी यात्रा बताने लगीं। उस बॉक्स में जो किताबें करीने से थीं, वह कहने लगीं, 'जो मेरी मालकिन है ना, वो किताबों की बड़ी शौकीन है। वो बचपन में जब भी रेल यात्रा करती थी, तो उसका सबसे बड़ा आकर्षण ही यही था कि प्लेटफार्म से किताबें खरीदने को मिलती थी।लेकिन अब वो बूढ़ी हो गई हैं। उन्हें लगता है कि मेरे बाद तो किताबें रद्दी में ही जाएंगी। तो क्यों ना मैं लाइब्रेरी में ही दान कर दूं।'

'हां... अच्छा कहा।' दूसरे बॉक्स में से झांकती किताबों ने कहा-'रेलयात्रा में तो अपने मजे ही होते थे, कितनी पूछ-परख होती थी हमारी...! सारे बच्चे हमारा आदान-प्रदान करते रहते थे और उनका सफर तो हमें पढ़ते हुए ही गुजरता था। लेकिन आज तो देखो, पूरी यात्रा ऐसे ही निकल जाती है। कोई एक-आध भला मानुस ही हमें खरीदता है। और अब तो स्टेशन पर हमारे ठेले भी नजर नहीं आते। सब यात्री मोबाइल में मुंह दिए बैठे रहते हैं।यहां तक कि एक-दूसरे से परिचय तक नहीं होता।'

'अरे..., रेलगाड़ी तो ठीक है, हवाई यात्रा के भी यही हाल है। जब यात्री बैठते हैं तो उनके आगे की तरफ जो पॉकेट होता है, उसमें हम ऐसी उपेक्षित पड़ी रहती हैं। कोई झांकने को भी तैयार नहीं...।'

'क्या बुरे दिन आ गए हैं।' कुछ किताबें बोली।

'अरे.. मैं तो बहुत दिनों तक ब्यूटी पार्लर में सुंदर से शोकेस मे रखी हुई थी। खूब सारी महिलाएं आती थीं। जो मेरी मालकिन थी, उन्होंने बड़े चाव से हम लोगों को खरीदा और पार्लर में टाइम पास के लिए एक शेल्फ में हमें सजाकर रख दिया। लेकिन हमारा भी दुर्भाग्य ही था कि जितनी औरतें आती हैं, मुंह पर, बालों पर मोटी परत जमा लेती हैं और मोबाइल में माथा दे देती हैं। उन्हें शायद सिर्फ ऊपरी सुंदरता से ही मतलब होता है। मन की या विचारों की सुंदरता...' उस किताब ने अफसोस से अपनी बात अधूरी छोड़ दी।

'हम लोग तो कई दिनों तक डॉक्टर मालिक के क्लीनिक पर इंतजार करते रहते थे।' एक झोले में भरी किताबों की तरफ से अपनी बात आई। 'उस बेचारे ने मरीजों के लिए किताबें रखी थीं कि मरीज आएंगे, किताबें पढ़ेंगे, क्योंकि डॉक्टर के यहां जाओ तो घंटा भर तो इंतजार करना ही पड़ता है। अब वो घंटा भर बिताने के लिए हमसे अच्छा साथी और कौन हो सकता है, लेकिन उन लोगों को भी कोई मतलब नहीं रहता था। आखिरकार थक हार कर जब हमारे ऊपर धूल की परतें जमने लगी, तब डॉक्टर साहब की पत्नी ने झोले में भरकर हमें यहां भेज दिया।'

'हां, यहां कम से कम हमारी धूल तो साफ होगी। क्योंकि कुछ पुस्तक प्रेमी यहां पढने भी आते हैं और हमें ले भी जाते हैं।'

एक बड़ी मोटी, बहुत पुरानी और अनुभवी किताब ने इन सब बातों को सुनते हुए अपने विचार भी रखें... 'कितने दुर्भाग्य की बात है। पहले तो किताबें अलमारी में होती थीं और जूते-चप्पल सड़क के किनारे बिकते थे। अब तो देखो सड़क के किनारे फुटपाथ पर जमीन पर ही किताबें बिक रही हैं और जूते-चप्पल बड़े-बड़े कांच के शोरूम में जमे हैं...। घोर कलयुग आ गया है।'

कुछ किताबें बड़ी पॉजिटिव थीं। उन्हें जिन लोगों ने पढ़ा, सचमुच उन पर बड़ा सकारात्मक प्रभाव रहा था। उन्होंने कहा, 'हमें ज्यादा निराश होने की आवश्यकता नहीं है। नए-नए लोग मोबाइल चलाते हैं लेकिन नए-नए प्रयोग भी करते हैं। पिछले दिनों एक नवाचार हुआ है। वो नवाचार है 'लोड द बॉक्स'। लोग आते हैं और अलग-अलग साइज के बॉक्स खरीदते हैं। उस बॉक्स में जितनी किताबें वो भर सकते हैं, भरकर ले जाते हैं। यानि हमारे चाहने वाले अभी भी हैं। इसलिए बहुत ज्यादा निराश होने की सचमुच जरूरत नहीं है। क्योंकि हमारे अंदर जो भी है वो कई लोगों का जीवन बदल देता है।'

हां सही कहती हो..! एक अन्य पुस्तक ने कहा 'समय के साथ परिवर्तन तो प्रकृति का भी नियम है, तो हम किताबें इस परिवर्तन से अछूती कैसे रह सकती हैं...? लेकिन फिर भी मैं कहती हूं कि हमें निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि हमारे अंदर जो ज्ञान की धारा है वो तो सदियों से बहती चली जा रही है। अब ये तो लेने वाले पर निर्भर है कि वह कितना लेना चाहता है। हम तो खुश हैं कि हम सब यहां पर बिल्कुल सही समय पर और सही जगह आ गए हैं।'

'लोगों ने हमें विद्यादान के रूप में दान किया है और जिस जगह हम आए हैं, यहां से निश्चित ही हम कई लोगों का भला करेंगे। और हां, ये भी तो सोचो कि इसी बहाने हमारी धूल भी साफ हो गई है।' पन्ने फड़फड़ाते हुए सारी किताबें मुस्कुरा दीं।

संस्मरण/ फिल्म 'गांधी'

रवीन्द्र शुक्ला

'जब फिल्म-'गांधी' मनीला में प्रदर्शित हुई...'

बयांलीस साल पहले की यानी फरवरी 1983 की बात है। मैं पत्रकारिता के एक अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम के लिए मैं मनीला (फिलीपींस) गया था। उन्ही दिनों वहां अंतरराष्ट्रीय फिल्मोत्सव आयोजित हुआ था। उसमें 'गांधी' फिल्म भी प्रमुख फिल्म के रूप में दिखाई गई। बहुत धूम थी इस फिल्म की। मनीला में जगह- जगह पोस्टर लगे थे। अखबारों ढेरों लेख व समीक्षाएं छप रहीं थीं। मैने और वहां मेरे मित्र गोविन्दन वेंकटरमानी (चेन्नई के प्रसिद्ध अखबार 'द हिन्दू' के साप्ताहिक कृषि स्तंभ के प्रभारी पत्रकार) ने तय किया कि हम फिल्म देखेंगे। पाठ्यक्रम में बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड आदि देशों आए हमारे कुछ अन्य साथी भी यह फिल्म देखना चाह रहे थे। किंतु उसका टिकट पा लेना मुश्किल था। तब इंटरनेट से टिकट बुकिंग का जमाना नहीं था। टिकट खिड़की पर जाकर ही टिकट लाना पड़ता था।

हाल ही में 29 अगस्त को 'गांधी' फिल्म के निर्देशक एटनबरो की पुण्यतिथि थी। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हे याद करते हुए 'गांधी' फिल्म की श्रेष्ठता का वर्णन किया है। उसकी वैश्विक श्रेष्ठता और प्रभाव के संबंध में मेरा भी एक संस्मरण है जो गांधी विचारों के प्रति समूचे विश्व में जनता में जनता के रुझान होने की झलक पेश करता है।

बयांलीस साल पहले की यानी फरवरी 1983 की बात है। मैं पत्रकारिता के एक अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम के लिए मैं मनीला (फिलीपींस) गया था। उन्ही दिनों वहां अंतरराष्ट्रीय फिल्मोत्सव आयोजित हुआ था। उसमें 'गांधी' फिल्म भी प्रमुख फिल्म के रूप में दिखाई गई। बहुत धूम थी इस फिल्म की। मनीला में जगह- जगह पोस्टर लगे थे। अखबारों ढेरों लेख व समीक्षाएं छप रहीं थीं। मैने और वहां मेरे मित्र गोविन्दन वेंकटरमानी (चेन्नई के प्रसिद्ध अखबार 'द हिन्दू' के साप्ताहिक कृषि स्तंभ के प्रभारी पत्रकार) ने तय किया कि हम फिल्म देखेंगे। पाठ्यक्रम में बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड आदि देशों आए हमारे कुछ अन्य साथी भी यह फिल्म देखना चाह रहे थे। किंतु उसका टिकट पा लेना मुश्किल था। तब इंटरनेट से टिकट बुकिंग का जमाना नहीं था। टिकट खिड़की पर जाकर ही टिकट लाना पड़ता था।

उस समय फिलीपींस में राष्ट्रपति थे - फर्डिनांड मार्कोस, जो खुद वहां एक तानाशाह के रूप में कुख्यात हो चुके थे। वे 1965 में फिलीपींस के राष्ट्रपति बने थे। उनका कार्यकाल जब 1971 में समाप्त होने वाला था, उसके ठीक पहले उन्होने देश में 'मार्शल ला' लगाकर पूरी सत्ता अपने हाथों मे केन्द्रित कर ली थी। उसी दौरान उनकी पत्नी इमेल्दा मार्कोस मंत्री थीं, जो वहां के कुख्यात गिरोह 'कू क्लक्स क्लान' की सरपरस्त मानी जातीं थीं।

फिलीपींस की जनता में मार्कोस दंपत्ति की दमनकारी रीति-नीति, परिवारवाद और लूट खसोट के खिलाफ गहरी नाराजी थी। हम मनीला के मध्य में घनी बस्ती वाले 'सांता मेसा' इलाके में स्थित 'कम्युनिकेशन फाउंडेशन आफ एशिया' (सीएफए) में रह रहे थे। वही हमारा निवास-सह-प्रशिक्षण केन्द्र था। वहां हमे मार्कोस के खिलाफ जन आक्रोश सहज ही देखने को मिलता था। उस समय मार्कोस प्रशासन ने खूब कोशिश की थी कि 'गांधी' फिल्म का प्रदर्शन फिल्म फेस्टिवल में नही हो पाए। किन्तु उसे सफलता नहीं मिली थी।

इस फिल्म को देखने के लिए फिलीपींस में इतनी ज्यादा भीड़ उमड़ रही थी कि हर शो फुल था। हमें हमारे प्रशिक्षण सत्रों के समय से इतर या यों खाली समय वाले शो के टिकट नहीं मिले। वेंकटरमानी ने मनीला स्थित भारतीय राजदूतावास से संपर्क किया। किंतु उसने भी अपनी असमर्थता जता दी। कोशिश करते-करते हफ्ता भर बीत गया और फिल्मोत्सव समाप्त हो गया। हम मनीला मे 'गांधी' फिल्म नहीं देख पाए। मैने इस वाकये पर एक छोटा सा लेख लिखा और उसे वही से भारत आने वाले यात्री के माध्यम से दिल्ली भेजा, जिन्होने उसे डाक से 'नईदुनिया' इंदौर को भेज दिया । वह लेख नईदुनिया के फरवरी 1983 के एक रविवारीय संस्करण में छपा।

हमने 'गांधी' फिल्म बाद में तब देखी, जब वह भारत मे रिलीज हुई। तब स्पष्ट हो गया कि फिलीपींस की जनता में उसके प्रति जबर्दस्त रुझान क्यों था। आखिर वह भी तो तानाशाही और अन्याय के खिलाफ संघर्षरत थी। उसे 'गांधी' के विचारों और कार्यशैली समझना की चाहत रही होगी।

कुछ ही अरसे बाद खबरें आईं कि फिलीपींस में राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस के शासन का पतन हो गया। प्रजातंत्र समर्थक जन शक्ति क्रांति 'एडसा' ने उन्हें अपदस्थ कर दिया। वे भागकर अमेरिका चले गए और उन्होने वहीं निर्वासित रहकर शेष जिंदगी बिताई।

वहीं हवाई द्वीप में 1989 मे उनकी मृत्यु हुई। उनका शव भी फिलीपींस नहीं आने दिया गया। उसे हवाई द्वीप में दफ्न किया गया। बाद में उनके परिवारजनों ने फर्डिनांड मार्कोस के अवशेष फिलीपींस लाने के लिए लंबी अदालती लड़ी। बाद की सरकारों ने फर्डिनांड मार्कोस के खिलाफ जन आक्रोश को देखते हुए उनके अवशेष फिलीपींस नही आने दिए। अंत में 2016 में एक समझौता हुआ, जिसके तहत फर्डिनांड मार्कोस के अवशेष अमेरिका के हवाई द्वीप से लाकार राजधानी मनीला के बाहर दफ्न किये गए। तब भी वहां उन्हे वह राजकीय सम्मान नहीं दिया गाया जो एक पूर्व राष्ट्रपति को दिवंगत होने पर दिया जाता है।

तानाशाही के विरोध में महात्मा गांधी के सिद्धांत, विचार और कार्यशैली आज भी मौजूं हैं। आज अपने देश में उन्हे अधिक प्रभावी और व्यापक रूप में प्रसारित किए जाने की जरूरत है। तानाशाही प्रवृत्तियों का अंत उसी से हो सकेगा।

भूली-बिसरी यादें

कर्मयोगी

(वरिष्ठ पत्रकार और लेखक)

38 साल बाद ठहरी हुई उन स्मृतियों में अपनी तलाश

बीएसएम पीजी कॉलेज रुड़की के एमए (अर्थशास्त्र) के छात्र 38 साल बाद बीते रविवार को कॉलेज परिसर में एकत्र हुए। यह जानते हुए भी कि कॉलेज में उन्हें पढ़ाने वाला कोई भी शिक्षक नहीं है। इसके बावजूद वे परिसर में अपनी कक्षाओं में पहुंचे। उस पुस्तकालय के करीब गए जहां कभी वे अपने दोस्तों से मिला करते थे। खूबसूरती को किताबों की सेल्फ से निहारते थे। इतने सालों बाद कुछ न पाने के बावजूद बहुत कुछ पाने का सुकून मिला।

मनुष्य अपने जीवन में पद, प्रतिष्ठा, धन व वैवाहिक सुख हासिल करने के बावजूद अपने बचपन की यादों के सुख को नहीं भूल पाता। हमारे जीवन में तमाम दोस्त बनते हैं, मगर बचपन के दोस्त भूले नहीं भुलाए जा सकते। यह जानते हुए कि समय किसी के लिए नहीं रुकता। वो दोस्त भी पहले जैसा नहीं रहता। जीवन के झंझावातों के थपेड़े उसे भी बदल देते हैं। जैसे पानी की लहरें पत्थरों तक का स्वरूप बदल देती हैं। कमोबेश यही स्थिति हमारे स्कूल और कॉलेज में बिताए समय की भी होती है। हम उस कक्षा में फिर जाना चाहते हैं। यह जानते हुए कि अब तक बहुत पानी शिक्षा की धारा में बह चुका है। छात्र बदल गए, शिक्षक बदल गए हैं। यहां तक कि कॉलेज की इमारतें व बाहर का परिवेश भी बदल गया। लेकिन, फिर भी हम वहां कुछ छूटा तलाशने चले ही जाते हैं। कहीं न कहीं छात्र जीवन के सुखद पल हमारे अवचेतन में जीवंत बने रहते हैं।

जीवन की तमाम उपलब्धियों के बावजूद छात्र जीवन की सुखद यादें हमें बार-बार उद्वेलित करती हैं। पढ़ाई के दौरान छात्रों की जेबें खाली होती हैं। मगर बड़े-बड़े सपने हिलोरे ले रहे होते हैं। यह यक्ष प्रश्न है सब कुछ पाकर भी क्या हम कॉलेज जीवन जैसा सुख हासिल कर पाते हैं। मानवीय आकांक्षा होती है कि काश हम अपने छात्र जीवन के स्वर्णिम पलों को फिर से जी पाते। लेकिन, बीता समय कहां लौटता है! लेकिन, इसके बावजूद हम उन यादों से जुड़े प्रतीकों-प्रतिमानों से रूबरू होने की कोशिश करते हैं। इसी सोच के साथ 38 साल पहले बीएसएम पीजी कॉलेज में एमए (अर्थशास्त्र) के छात्र बीते रविवार को कॉलेज परिसर में एकत्र हुए। यह जानते हुए भी कि कॉलेज में अब कोई भी शिक्षक मौजूद नहीं है, जिन्होंने उन्हें पढ़ाया था। इसके बावजूद वे कॉलेज परिसर में अपनी कक्षाओं में ताक-झांक करने पहुंचे। उस पुस्तकालय की करीब पहुंचे जहां कभी वे अपने मित्रों से मिला करते थे। किताबों का आदान-प्रदान होता था। किसी खूबसूरती को किताबों की सेल्फ से निहारते थे। लेकिन, कुछ न पाने के बावजूद बहुत कुछ पाने का सुकून मिला।

दरअसल, 38 साल बाद देशभर से आए बीएसएम पीजी कॉलेज के एमए अर्थशास्त्र के पूर्व छात्रों में,महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश झारखंड व उत्तराखंड के छात्र शामिल थे। इनमें संयुक्त शिक्षा निदेशक झांसी-चित्रकूट मंडल (उप्र) राजू राणा, अंबुजा सीमेंट में वाइस प्रेसीडेंट संदीप पुरी, उद्यमी व समाजसेवी विवेक अग्रवाल, शिवालिक गेंजेस पब्लिक स्कूल के चेयरमैन मुकेश अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार अरुण नैथानी, सामाजिक कार्यकर्ता अलका भार्गव, कारोबारी रुचिन गोयल, केंद्रीय विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य (रांची) मधुरेश चंद्रा, आध्यात्मिक अभियान से जुड़े सतीश धवन, केंद्रीय विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा शर्मा, महाराष्ट्र से आई शिक्षिका दिव्या सिंह, देहरादून से आई प्रोमिला इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कॉलेज परिसर में भ्रमण के अलावा सांस्कृतिक व रचनात्मक कार्यक्रमों में भागीदारी की गई।

इस कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार इस बैच के सदस्य, उद्यमी व समाजसेवी विवेक अग्रवाल थे। जिन्होंने बाहर से आए अपने सहपाठियों के स्वागत-सत्कार और रहने-सहने की व्यवस्था में कोई कसर नहीं छोड़ी। स्थानीय आवागमन व सांस्कृतिक आयोजन तथा कॉलेज भ्रमण में उनकी भूमिका रही। लालच यही कि मेरे पुराने सहपाठियों की स्मृतियों से रूबरू होने को खुशनुमा बनाया जा सके। एमए (अर्थशास्त्र) ये छात्र अपने जीवन साथियों के साथ साढ़े तीन दशक रुड़की में मिले। उन्होंने अपने अतीत के एक पन्ने से अपने जीवन साथियों से रूबरू कराया। इनमें पुणे से दिव्या-नितिन सिंह, झांसी से राजू राणा-अर्चना, दिल्ली से संदीप पुरी-प्रीति, रुड़की से रुचिन गोयल-कुमकुम, देहरादून से मुकेश अग्रवाल, पटना से मधुरेश चंद्रा, रुड़की से विवेक- मीनाक्षी, सतीश धवन-संगीत, सीमा-अजय, देहरादून से प्रोमिला, कानपुर से अलका-पवन भार्गव व अरुण व अलका नैथानी शामिल रहे। आपाधापी के समय में पुराने मित्रों से सपरिवार मिलना निश्चित रूप से सुखद है। आयोजन को सफल बनाने में रुड़की के कारोबारी व पुराने सहपाठी रुचिन गोयल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस मौके पर पूर्व छात्रों ने अपने प्रोफेसर आरसी भटनागर, डॉ. आरएन गुप्ता, एके शर्मा, डॉ बिरमानी व डॉ. इंद्रजीत सिंह जी को याद किया।

शिवराज बोले- सीएम था तो स्वेच्छानुदान बड़ा हथियार था

भोपाल में कहा- एक मरीज के लिए ज्यादा पैसों की जरूरत पड़ी तो मैंने मांगकर व्यवस्था कराई

भोपाल (नप्र)। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के रवीन्द्र भवन में विदिशा संसदीय क्षेत्र के नेताओं, कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में मंत्री करण सिंह वर्मा, विधायक रमाकांत भार्गव, हरि सिंह सप्रे, हरि सिंह रघुवंशी, आशीष शर्मा और सीहोर, रायसेन के बीजेपी पदाधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में शिवराज ने कहा- एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है लोगों का इलाज मेरे और आपके मन में सबसे बड़ी बात रहती है पीड़ित मानवता की सेवा अगर कोई बीमार हो गया तो हमारा कर्तव्य है कि हम उसके इलाज की ठीक व्यवस्था करें चाहे वो पोलिंग बूथ का कार्यकर्ता हो, को गांव का कार्यकर्ता हो और मैं आज भी जी जान लगाकर करने की कोशिश करता हूं।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा- मैं मुख्यमंत्री था तो स्वेच्छानुदान का बड़ा हथियार था मेरे पास लेकिन अभी भी जब जरूरत पड़ी तो मैंने कहीं से पैसे किसी से मांगकर ज्यादा पैसे लगने थे तो वहां से भी मैंने व्यवस्था करवाई कि बचाएंगे तो चाहे कुछ भी हो जाए।केन्द्रीय कृषि मंत्री ने आगे कहा- यह हमारा परम कर्तव्य है कि हमारे संसदीय क्षेत्र में कोई भी अगर बीमार है और ऐसी बीमारी हो गई कि उसका सामर्थ्य नहीं कि उसका इलाज ना करा पाएं तो बीमारी का इलाज जरूर कराना है चाहे कुछ भी हो जाए मरने तो हम नहीं दे सकते यह कहने कि नौबत ना आए कि काश मेरे पास पैसा हो कि हम जी जान से उसके लिए जुटेंगे, लगेंगे।

एक घटना का किया जिक्र- शिवराज ने कहा- अभी मैं आपको एक छोटी सी घटना बताता हूं, वो बहुत ही प्रेरक है। भेरुंदा या लाड़कुई मंडल के लोग, वहां सुकरवास गांव है। वहां महेन्द्र मेहरा नाम के 15-16 साल के बच्चे का एक्सीडेंट हुआ। उसके पिता

बहुत गरीब थे। मैं दिल्ली में था, अलग-अलग जगह मेरे दौरे चल रहे थे, कर्नाटक। जब अस्पताल में भर्ती किया तो बिल 5 लाख से ज्यादा का हो गया। अब इतने पैसे और किसी माध्यम से आ नहीं सकते। मैं था नहीं तो गांव वालों ने तय किया कि जो जितना चन्दा दे सकता है उतना चन्दा दे। आप आश्चर्य करोगे कि 10 रुपए से 21 हजार रुपए तक एक आदमी ने दिए। उस गाँव ने ऐसे करके 2 लाख रुपए इकट्ठा किए।

बच्चे को बचाने गांव वालों ने पूरी ताकत लगा दी

शिवराज ने कहा- मैं उस गांव को प्रणाम करता हूं। क्योंकि आमतौर पर लोग मौखिक सहानुभूति दर्शाते हैं, पैसे की बात आते ही इधर-उधर हो जाते हैं। गांव ने किया, मुझे भी फोन किया, मैंने वहां से अस्पताल बात की। सवाल था कि 5 लाख रुपए से ज्यादा देने हैं। मैं तो ये मन बनाकर आया था कि चाहे कुछ हो जाए बच्चे को बचाना है। जब गांव ने इतनी मेहनत की है तो मुझे कहीं से भी लाना पड़ेगा तो मैं लाऊंगा। मैं इस भाव से आया था।

अस्पताल ने आयुष्मान से इलाज में बता दी मजबूरी- शिवराज ने आगे कहा- लेकिन, मैंने अस्पताल में जाकर पूछा तुम्हारे पास आयुष्मान कार्ड है? तो मैंने अस्पताल में कहा कि इसका आयुष्मान कार्ड है, वो क्यों नहीं लगेगा। तो मुझे जवाब दिया कि अगर एक ही फ्रैक्चर होता तो लग जाता, मल्टीपल है। मैंने तुरंत जो अधिकारी आयुष्मान का काम देखते हैं उन्हें फोन किया। तुरंत बात करके वो आयुष्मान कार्ड लगा और 5 लाख रुपए तक की तुरंत व्यवस्था हो गई। गांव के पैसे हमने वापस किए। गांव वालों ने पैसा लेने से इंकार करते हुए कहा कि अब हम ये पैसा लेंगे नहीं, इस लड़के के खाते में ही जमा कर दो।

रोज ऐसे लोग आते हैं जिन्हें बचाना जरूरी होता है- शिवराज ने कहा- रोज मेरी चिंता रहती है 5-10 लोग ऐसे आते हैं जिनको बचाना जरूरी होता है, मैं जी जान लगा देता हूं, मुझे लगता है कि इसकी सेवा कर ली तो यही भगवान की पूजा है। जो गरीब हैं, मध्यम वर्गीय हैं किसान हैं उनकी सेवा के लिए माध्यम 3-4 हैं, एक है स्वेच्छानुदान, अपने पास एम्स जैसा अस्पताल भी है उसका बेहतर इस्तेमाल कर सकते हैं भारत सरकार का अस्पताल है लेकिन बाकी प्राइवेट अस्पताल में भी आयुष्मान कार्ड का इस्तेमाल हो सकता है।

आयुष्मान के उपयोग का प्रजेंटेशन कराएंगे- शिवराज ने कहा कि मैं आज आयुष्मान कार्ड के बारे में एक प्रेजेंटेशन करवाना चाहता हूं कि आयुष्मान कार्ड का उपयोग कैसे करें, कौन-कौन से अस्पताल ऐसे हैं जिनमें आयुष्मान कार्ड लगता है। अगर कोई मना करे तो क्या करें, मुझे लगता है कि बड़ा इलाज तो हम आयुष्मान कार्ड से ही करा सकते हैं। आयुष्मान कार्ड नहीं है तो आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए शिविर भी है तो हम इस विधा का उपयोग करके बाकी फिर कोई और बात हो तो हम स्वेच्छानुदान से जितना संभव है वहां से लेंगे नहीं तो मैं इकट्ठे करूंगा चाहे कुछ हो जाए लेकिन मरने नहीं देंगे धन के अभाव में यह हमारा संकल्प है, इस सेवा के भाव से संसदीय क्षेत्र में काम करेंगे।

सचिन तेंदुलकर ने स्कूली बच्चों के लिए रोकी कार

धार के धामनोद से गुजर रहा था काफिला; हाथ मिलाकर दिए ऑटोग्राफ

धामनोद (नप्र)। मंगलवार को महेश्वर से इंदौर जाते समय क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर का काफिला धार जिले के धामनोद से गुजरा। आईटीआई क्षेत्र में एक निजी स्कूल के बच्चे उनकी एक झलक पाने के लिए सड़क के दोनों ओर खड़े थे। बच्चों को देखकर सचिन ने अपनी कार रुकवाई। उन्होंने कार का शीशा नीचे किया और बच्चों से बातचीत की। समय की कमी के कारण वे कार से नहीं उतर सके, लेकिन कार में बैठे-बैठे ही बच्चों से हाथ मिलाया। कुछ बच्चों से उनका नाम पूछा और ऑटोग्राफ भी दिए। स्कूल के बच्चों ने फूल मालाओं से सचिन का स्वागत किया। बच्चों के आग्रह पर सचिन ने वादा किया कि अगली बार वे स्कूल जरूर आएंगे। स्कूल संचालक विजय पारीक ने बताया कि जब से बच्चों को पता चला था कि सचिन इस रास्ते से गुजरेंगे, तब से वे उत्साहित थे। सचिन के साथ उनका पूरा परिवार भी था। बच्चे क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन से मिलकर बेहद खुश नजर आए।

संयम धर्म को जीवन में अपनाना चाहिए मुनिश्री विभंजन सागर जी महाराज साहब

दिगंबर जैन समाज पर्यूषण पर्व का छठा दिन

धार। दिगंबर जैन समाज पर्यूषण पर्व के छठवें दिन को उत्तम संयम धर्म दिवस के रूप में मन रहा है। जैन दर्शन में उत्तम संयम धर्म आत्मा को मोक्ष मार्ग की ओर ले जाने वाला प्रमुख साधन है। यह केवल इन्द्रियों पर नियंत्रण ही नहीं बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में संतुलन लाने की शिक्षा देता है। सुबह में भगवान का अभिषेक किया गया, पश्चात आरती की गयी। दीप प्रज्वलन,गुरुदेव के पाद प्रक्षालन शास्त्र भेंट जयपुर से आए अतिथि के द्वारा किया गया। जैन समुदाय के श्रद्धालु बड़े धूमधाम से नियम पूर्वक इस पर्व को मना रहे है। मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल ने बताया कि पूज्य गुरुदेव प्रातः स्मरणीय उपाध्याय श्री विभंजन सागरजी जी महाराज साहब ने आज प्रवचन में कहा कि संत अपनी वाणी में रहते हैं और संसार में संयम को पालन करते है। मुनिश्री ने दो प्रकार के संयम बताएं हैं प्राणी संयम और इंद्रिय संयम । इंद्रियों के कारण हर जगह सांसारिक भोगों में लगे हुए हैं और दूसरों को घात करने में लगे हुए हैं। अतः संयम धर्म को जीवन में अपनाना चाहिए। समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने बताया कि कल शाम संध्याकालीन आरती तत्पश्चात बहुत ही सुंदर जैन भजनो पर आधारित धार्मिक म्यूजिकल तंबोला का कार्यक्रम हुआ। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति धार संभाग की अध्यक्ष ममता गंगवाल, सचिव ममता लुहाड़िया, अंजलि पपलिया, शिवानी रावका द्वारा पुरस्कार दिए गए। आभार संजय छाबड़ा द्वारा व्यक्त किया गया।

दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं में देखी सेवाओं की स्थिति

बच्चों के सतत् फॉलोअप के निर्देश दिए

भोपाल। बाल्यकालीन बीमारियों की रोकथाम और पोषण के लिए चलाए जा रहे दस्तक अभियान की सेवाओं का जायजा मंगलवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ मनीष शर्मा द्वारा लिया गया। इस दौरान शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अशोका गार्डन एवं मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक एकतापुरी में जिंक ओ आर एस कॉर्नर सहित विभिन्न सेवाओं का निरीक्षण किया गया। अशोका गार्डन में जिंक एवं ओआरएस वितरण एवं फॉलोअप रिकॉर्ड ठीक तरीके से संधारित नहीं करने पर स्टाफ को फटकार लगाई गई।ॉ 16 सितंबर तक संचालित दस्तक अभियान में 5 साल तक के बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी विभिन्न सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। अभियान में सघन दस्त नियंत्रण कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है । जिसमें ओ आर एस का पैकेट और जिंक की गोलियां निशुल्क दी जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान संस्था में ए एन सी पंजीयन एवं आयरन सुक्रोज की संख्या बढ़ाने, गर्भवती महिलाओं की जानकारी पोर्टल पर प्रविष्टि एवं समय पर अपडेट करने, निश्चय आईडी बनाने के निर्देश दिए गए । जिंक ओ आर एस कॉर्नर के माध्यम से परिजनों को दस्त रोग के लक्षणों की जानकारी, ओआरएस बनाने की विधि, जिंक के उपयोग एवं फायदों के बारे में जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया। डॉ शर्मा ने कहा कि अभियान में चिह्नांकित बच्चों के स्वास्थ्य का नियमित फॉलोअप किया जाए एवं आवश्यक होने पर उन्हें उच्च संस्था में शीघ्र रेफर किया जाए।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत लक्ष्य निर्धारित

बैतूल। उद्यानिकी खाद तथा प्रसंस्करण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना आरकेव्हीवाय अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट प्रोमोशन ऑफ सैसर बेस्ड ऑटोमेशन सिस्टम फॉर फर्टिगेशन इन हॉर्टिकल्चर क्रॉप्स के सामान्य वर्ग के 13, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 04 एवं अनुसूचित जाति वर्ग के 03, इस प्रकार कुल 20 भौतिक एवं कुल 40.00 लाख के वित्तीय लक्ष्य प्रदाय किये गए। सहायक संचालक उद्यान ने जानकारी दी कि पायलेट प्रोजेक्ट के मुख्य उद्देश्य उर्वरकों का संतुलित मात्रा में अनुप्रयोग, सिंचाई जल दक्षता में वृद्धि, टिकाउ कृषि पद्धतियों को बढावा देना, फसल उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार करना है। हितग्राही की पात्रता स्वयं की भूमि तथा पर्याप्त सिंचाई स्त्रोत हो। लाभ लेने के लिए प्रक्रिया एमपीएफएसटीएस पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य, विभाग द्वारा लॉटरी में चयन उपरांत आशय पत्र जारी दिनांक से 15 दिवस में कार्य प्रारभ एवं 02 माह के अंदर कृषक को कार्य पूर्ण कर पोर्टल पर सूचना दर्ज करना अनिवार्य होगा। अनुदान पात्रता प्रति यूनिट स्थापना की कुल लागत 4 लाख रुपये का 50 प्रतिशत अनुदान यानी दो लाख रुपये देय होगा। परियोजना अंतर्गत एमपीएफएसटीएस पोर्टल पर पंजीयन प्रारंभ हो गये है।

एमपीसीए में तीसरे सिंधिया अध्यक्ष

29 साल के महानआर्यमन सहित पूरी कार्यकारिणी निर्विरोध चुनी गई,बोले- पिता के साथ मां भी खुश

इंदौर (नप्र)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महानआर्यमन सिंधिया मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। उनके साथ पूरी कार्यकारिणी का चुनाव भी निर्विरोध हुआ है। 29 साल के महानआर्यमन एमपीसीए के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। एमपीसीए की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) मंगलवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में हुई। इसमें नई कार्यकारिणी चुने जाने की घोषणा की गई। बैठक में ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहे।इससे पहले ज्योतिरादित्य ने महानआर्यमन के साथ खजराना गणेश मंदिर में दर्शन किए। उनके साथ मंत्री तुलसीराम सिलावट भी मौजूद रहे। एजीएम के लिए ज्योतिरादित्य और महानआर्यमन सिंधिया सोमवार रात ही इंदौर पहुंच गए थे। अध्यक्ष पद पर चुने जाने पर महानआर्यमन ने कहा- मेरे एमपीसीए अध्यक्ष बनने पर पिता के साथ मां भी बहुत खुश हैं। उन्होंने मुझे ग्राउंड लेवल पर लोगों के साथ जुड़कर काम करना और अकेले कभी भी निर्णय नहीं लेना सिखाया है।

बोले- एमपीसीए को नंबर वन बनाएंगे- एजीएम के बाद महानआर्यमन सिंधिया ने कहा- हम मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन को आगे लेकर जाएंगे और देश में नंबर वन बनाएंगे। मेरे लिए यह बहुत भावुक समय है क्योंकि इस पद पर मेरे दादाजी माधवराव सिंधिया, मेरे पिता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने काम किया था और अब मुझे यह मौका मिल रहा है। हमारा विजन है कि हम ग्रामीण स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा दें। बेटियों-बहनों को मौका दें।

महानआर्यमन ने कहा- माता, पिता ने तीन मूल्य सिखाए

1. साथ में काम करना है।
2. जमीन पर काम करना है
3. अकेले कभी निर्णय नहीं लेना है।

टेक्नोलॉजी का उपयोग करके स्किल डेवलप करेंगे- मुझे अनुभव कम है लेकिन मेरे साथ अनुभवी टीम है। नई टीम क्रिकेट को बहुत मजबूती से आगे ले जाएगी। इंदौर में विमेंस वर्ल्ड कप के पांच मैच होने जा रहे हैं। यह दिखाता है कि आईसीसी और बीसीसीआई को एमपीसीए में कितना विश्वास है। हम ग्रामीण क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए जिला और संभाग स्तरीय क्रिकेट की समीक्षा करेंगे। वहां के दौरे भी करेंगे। क्रिकेट में टेक्नोलॉजी का उपयोग करके स्किल डेवलप करने पर काम करेंगे।

मध्यप्रदेश लीग की शुरुआत की थी महानआर्यमन पिछले तीन साल से क्रिकेट के लिए सक्रिय हैं। 2022 में ग्वालियर डिविजनल क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) का उपाध्यक्ष नियुक्त करने के साथ ही उन्हें एमपीसीए का आजीवन सदस्य बनाया गया था। उन्होंने मध्यप्रदेश क्रिकेट लीग (एमपीएल) की शुरुआत की। वे पिछले दो साल से ग्वालियर में एमपीएल का सफल आयोजन करा रहे हैं।

पिछली बार सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर हुए थे चुनाव- एमपीसीए की पिछली कार्यकारिणी में अभिलाष खांडेकर अध्यक्ष, रमणीक सलूजा उपाध्यक्ष, सिद्धियानी पाटनी सहसचिव निर्विरोध चुने गए थे। सचिव पद पर संजीव राव ने अमिताभ विजयवर्गीय को 17 और कोषाध्यक्ष पद पर पवन जैन ने प्रेम पटेल को 78 वोटों से हराया था। मैनेजिंग कमेटी के लिए प्रशांत द्विवेदी ने 171, योगेश गोलवलकर ने 148 और मुर्तजा अली ने 137 वोट के साथ जीत दर्ज की थी। देवाशीष निलोसे को 115 और सुनील लाहोरे को 38 वोट मिले थे।

आयडीबीआई बैंक ने दिये दो स्कूलों में कम्प्यूटर और एक में फर्नीचर

देवास । जिलाधीश श्री ऋतुराज सिंह की मंशानुसार जिले के सरकारी स्कूलों के बच्चों कम्प्यूटर,फर्नीचर जैसी सुविधाओं का लाभ मिले और वे इनका लाभ लेकर पढ़ाई में बेहतर स्थान हासिल करे,इसी अभियान में अपने सामाजिक सरोकार के तहत आयडीबीआई बैंक ने आज दो स्कूलों में दो दो कम्प्यूटर तथा एक स्कूल में दस फर्नीचर सेट भेंट किये। बैंक के शाखा प्रबंधक रोहित भदौरिया तथा प्रोजेक्ट समन्वयक एक्ट ईव फाउंडेशन अध्यक्ष मोहन वर्मा ने बताया कि आज नारायण विद्या मंदिर तथा मा वि क्रमांक 3 नई बिल्डिंग स्कूलों में दो दो कम्प्यूटर तथा राजोदा स्थित मा विद्यालय में दस सेट फर्नीचर प्रदान किये गये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री शिल्पा आठवाले, श्री श्याम व्यास,मोहन वर्मा उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत स्कूल प्राचार्य श्री मिश्रा, सुरेश ठाकुर,जितेंद्र ठाकुर ने किया और आयडीबीआई बैंक का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रीति जोशी, अनुज जैसवाल,मिर्जा मुशाहिद बैग, विजय वर्मा, प्रीति वर्मा,सुनील चौधरी,किशोर असनानी सहित स्कूल स्टाफ उपस्थित था ।

जन शिक्षकों और ब्लॉक एकेडमिक को-ऑर्डिनेटरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बैतूल। जनजातीय कार्य विभाग एवं मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से संचालित 21वीं सदी के जीवन कौशल आधारित सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के तहत कार्यालय जनपद शिक्षा केंद्र शाहपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 सितंबर को आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गुलाबराव बर्डे और ब्लॉक रिसोर्स को-ऑर्डिनेटर राधेलाल भादे की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें कुल 16 जन शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य रूप से सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के दूसरे वर्ष के पाठ्यक्रम को गहराई से समझने पर विशेष जोर दिया गया। इस सत्र में जन शिक्षकों की भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा हुई, साथ ही प्रथम वर्ष की उपलब्धियों और चुनौतियों पर समूह चर्चा के माध्यम से मंथन किया गया। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गुलाबराव बर्डे ने कहा कि सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम में सत्र गतिविधि आधारित होते हैं और खेल सामग्री की उपलब्धता एवं उपयोगिता विद्यालयों में सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि ये गतिविधियां अधिक प्रभावी हों। इसके साथ ही ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर राधेलाल भादे ने कहा कि इस कार्यक्रम को नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विद्यालय की अकादमिक समय सारणी में शामिल करना चाहिए ताकि बच्चों के व्यक्तित्व विकास में यह अधिक प्रभावी साबित हो। प्रशिक्षण के दौरान लिंग आधारित मुद्दों पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ, जिसमें जेंडर परिवर्तन की अवधारणा को समझाना और इसे अपनाने का महत्व बताया गया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी बोले

कांग्रेस को सम्यक अभियान जैसे बौद्धिक अभियानों की निरंतर आवश्यकता

भोपाल। हिंदी भवन, पॉलिटेक्निक चौराहा, भोपाल में आज सम्यक क्रांति दिवस का आयोजन बड़ी गरिमा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम सम्यक अभियान के प्रणेता एवं नवक्रांति के अग्रदूत गुरुदेव भास्कर रोकड़े के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कांग्रेस पार्टी को सम्यक अभियान जैसे बौद्धिक अभियानों की नियतांक रूप से आवश्यकता है। आगामी 19 नवम्बर को भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी जी की 108वीं जयंती पर भोपाल में भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें

पूरी कांग्रेस पार्टी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगी। मैं सुनिश्चित करूंगा कि कांग्रेस का समस्त शीर्ष नेतृत्व भोपाल की धरती पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं सम्यक अभियान के प्रभारी श्री पी.सी. शर्मा ने कहा हम पूरा प्रयास करेंगे कि 19 नवम्बर के कार्यक्रम में प्रियंका गांधी जी की उपस्थिति सुनिश्चित हो। उनकी उपस्थिति से कार्यकर्ताओं का उत्साह कई गुना बढ़ेगा। वहीं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कमले ने अपने विचार रखते हुए कहा गुरुदेव भास्कर रोकड़े जी का सम्यक अभियान वास्तव में लोक क्रांति का विचार है। इस विचार के साथ पूरी कांग्रेस पार्टी दृढ़ता से खड़ी है और हम इसे व्यापक रूप देने के लिए संकल्पबद्ध हैं। कार्यक्रम में कई पूर्व मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक, बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा साथियों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता दर्ज की।वक्ताओं ने इस अवसर पर कहा कि गुरुदेव भास्कर रोकड़े द्वारा चलाया गया सम्यक अभियान वास्तव में एक बृहद सोच है। यह अभियान युवाओं के रोज़गार, जनसमस्याओं के समाधान और समाज में जमीनी स्तर से जन-नेता तैयार करने की प्रक्रिया का मूल स्वरूप है।इस आयोजन ने न केवल गुरुदेव भास्कर रोकड़े के योगदान को स्मरण किया, बल्कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवाओं में नई ऊर्जा और दिशा का संचार भी किया।

जिला शिक्षक सम्मान समारोह 5 सितंबर को धार में आयोजित होगा

सेवानिवृत्त 206 शिक्षकों के साथ प्रतिभाओं का भी सम्मान होगा, दो विश्व रिकॉर्ड के साथ सेवानिवृत शिक्षकों का विश्व का सबसे बड़ा सम्मान समारोह है

धार। शिक्षक दिवस 5 सितंबर, शुक्रवार को जिला शिक्षक सम्मान समारोह समिति धार द्वारा 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 तक जनजातिय कार्य विभाग और शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त हुए 206 शिक्षकों, व्याख्याताओ और प्राचार्य का तथा विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान समारोह श्रद्धा गार्डन,छोटे आश्रम के सामने,देवीजी मंदिर रोड पर प्रातः 11-30 बजे आयोजित किया जावेगा। समिति अध्यक्ष नारायण कुबेरजी जोशी तथा संस्थापक और सचिव सुरेशचंद्र गोयल ने बताया कि गरिमामय सम्मान समारोह के अतिथिगणो में मुख्य वक्ता श्रीधर बर्वे शिक्षाविद एवं सेवानिवृत प्राचार्य इंदौर, प्रियंक मिश्रा जिलाधीश, मनोज कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक, अभिषेक चौधरी सीईओ जिला पंचायत, बृजेशचंद्र पांडे संभागीय उपायुक्त जनजातिय कार्य विभाग इंदौर संभाग, नरोत्तम बरकड़े सहायक आयुक्त जनजातिय कार्य विभाग, केशव वर्मा जिला शिक्षा अधिकारी, आर के वर्मा जिला पेंशन अधिकारी एवं मनीष दास रीजनल मैनेजर भारतीय स्टेट बैंक रहेंगे। धार नगर सहित जिले का नाम शिक्षा, साहित्य, कला, संस्कृति, खेल, समाजसेवा आदि क्षेत्र में राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाली विभिन्न प्रतिभाओं का भी सम्मान किया जावेगा। वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड्स लंदन और गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित समिति द्वारा विगत 41वर्षों से सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान शाल, श्रीफल,माला और सम्मान पत्र से किया जा रहा है। साथ ही शिक्षकों के भोजन की व्यवस्था भी समिति द्वारा की जाती है।समारोह को वर्ष 2022 में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन एवं वर्ष 2018 में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस ने सेवानिवृत्त शिक्षकों का विश्व का सबसे अधिक वर्षों तक लगातार चलने वाला सबसे बड़ा सम्मान समारोह घोषित किया था। समिति द्वारा अभी तक 5800 से अधिक सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया जा चुका है। साथ ही राष्ट्रपति पुरस्कार और राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों का भी सम्मान किया जाता है। समिति के संरक्षकद्वय रामनारायण धाकड़, बबन अग्रवाल, संयोजक विवेक शर्मा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक, उपाध्यक्षगण ब्रजकिशोर बोडा, लक्ष्मीनारायण मुकाती, कृष्णकुमार गोयल, वल्लभ अग्रवाल, डॉ श्रीकांत द्विवेदी,कोषाध्यक्ष रमेश सोलंकी, सहसचिव गंगासिंह सिसोदिया, सतीश शर्मा, अशोक वर्मा, हरजीत होरा, अंकुर पालीवाल,प्रवक्ता आशीष गोयल, सोशल मीडिया प्रभारी राकी मक्कड़,कार्यकारिणी सदस्य प्रभावती धाकड़, अरुणा बोड़ा, मंजीत कौर होरा,अतुल जैन,सयाजीराव मोहिते, प्रभाकर खामकर, नंद किशोर उपाध्याय, राजेश अग्रवाल ,अनूप गुप्ता, रमेश ठाकुर, भुवान बघेल, रितेश अग्रवाल, इरफान पठान,देवेंद्र जोशी, सुरेश व्यास, रामगोपाल वेद, अजय अग्रवाल, राजेंद्रसिंह डंग, आशीष जैन, अतुल कालभंवर, भगवान वैष्णव, मुरली अग्रवाल, पराग अग्रवाल, लोकेश पीपरकर,राजेश सक्सेना, अशोक पाटीदार, राजाराम गोयल, शाहीन कुरैशी ने कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की हैं। सेवानिवृत शिक्षकों को विधिवत सूचना आमंत्रण प्रेषित किए गए हैं। जानकारी समिति के प्रवक्ता आशीष गोयल ने दी।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी

विदिशा (निप्र)। ग्राम गेंदाबर्री में निवास रत श्रीमती ममता बंजारा पति छगन बंजारा को प्रसव पीड़ा के दौरान 30 अगस्त की रात्रि में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरखेड़ा जागीर लाया गया था, परंतु संस्था में ताला लगा पाया गया जिसके फलस्वरूप गर्भवती महिला व उनके परिजनों को अनावश्यक रूप से परेशान होना पड़ा और रास्ते में ही प्रसव हो गया। शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने व चिकित्सा संस्थान में ताला लगा पाए जाने पर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नटेरन द्वारा स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ फार्मासिस्ट डॉक्टर विजय सिंह ठाकुर, श्री मुकेश आर्य, नर्सिंग ऑफिसर प्रीति बुनकर, एएनएम प्रेमा बिष्ट और वार्ड बाय आरती चौकसे को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

एएनएम और आशा कार्यकर्ता का आठ-आठ दिवस का वेतन काटा

विदिशा (निप्र)। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नटेरन द्वारा आदेश जारी किया गया है कि गर्भवती महिला को सुरक्षित अस्पताल नहीं पहचाने एवं स्टाफ नर्स की अनुपस्थिति में एएनएम द्वारा अस्पताल में ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होने से हितग्राही का रास्ते में प्रसव हो गया जो कि स्वास्थ्य विभाग की छवि धूमिल करता है शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर एएनएम प्रेमा बिष्ट और आशा कार्यकर्ता कालापाठा प्रियंका चौकसे इन दोनों कर्मियों का आठ-आठ दिवस का वेतन तत्काल प्रभाव से काटे जाने का आदेश जारी किया गया है। गौरतलब हो कि ग्राम गेंदाबर्री में निवासरत श्रीमती ममता बंजारा पति छगन बंजारा को प्रसव पीड़ा के दौरान 30 अगस्त की रात्रि में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरखेड़ा जागीर लाया गया था, परंतु संस्था में ताला लगा पाया गया जिसके फलस्वरूप गर्भवती महिला व उनके परिजनों को अनावश्यक रूप से परेशान होना पड़ा और रास्ते में ही प्रसव हो गया था।

शिविर आयोजित कर ड्राप आउट विद्यार्थियों को किया गया आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में विद्यार्थियों के ड्रॉपआउट को रोकने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में ड्रॉपआउट विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन शिविर आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को शिविर में शामिल होने के लिए फोन पर संपर्क कर सूचित किया गया था। शिविर में डाइट प्राचार्य डॉ अनिता बड़गूजर एवं श्रीमती स्वाती भालेराव ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की महत्ता के बारे में बताते हुए आगे की अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिये प्रेरित किया। इस शिविर का परिणाम यहा हुआ कि शिविर में शामिल हुए सभी विद्यार्थियों में से 20 विद्यार्थियों ने अपनी आगे की पढ़ाई जारी रखने और उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश लेने के लिए लिखित सहमति भी दी। इस अवसर पर कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ आमिर एजाज सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित थे।

विमुक्त जाति दिवस पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कार्यक्रम आयोजित

रायसेन (निप्र)। विमुक्त जाति दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विमुक्त जाति समुदाय के अध्यक्ष श्री मोहर सिंह पाल, जिला संयोजक श्री संतोष रघुवंशी एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा छात्रावास के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों को आज के दिन का महत्व एवं विमुक्त घुमंतू विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों द्वारा योजनाओं का लाभ मिलने से आ रहे बदलाव तथा अपने अनुभव साझा किए गए।

भारत निर्वाचन आयोग की टीम का विदिशा भ्रमण टीम ने बीएलओ के कार्यों की समीक्षा की

विदिशा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली की टीम द्वारा आज विदिशा जिले में बीएलओ द्वारा संपादित किया जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में एक बैठक आयोजित कर बीएलओ से संवाद किया गया और उन्हें अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके पहले टीम द्वारा विधि से विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया और यहां उपस्थित बीएलओ से संवाद किया।

बैठक उपरांत कलेक्ट ईव्हीएम का निरीक्षण भारत निर्वाचन आयोग की टीम में शामिल पीएसओ (टीम हैड) श्री अतुल्य नीरज, सचिव श्री संजीव कुमार प्रसाद, पीएस श्रीमती शशि मीना, एएसओ श्री चंद्र भानू कुमार, पीए सुश्री पूजा बंसल, एएसओ श्री नीर माथुर, एसएसए श्री नितीश सिंह, जेएसए श्री ऋषभ कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया।

भारत निर्वाचन आयोग की टीम द्वारा आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में श्री अतुल्य नीरज, पीएसओ (टीम हैड) द्वारा बीएलओ की बैठक की गई। बैठक में उपस्थित कुछ बीएलओ से मतदाताओं के नाम जोड़ने, घटाने एवं संशोधन के उपयोग में आने वाले फार्मों की जानकारी ली गई तथा नवीन मतदाता का नाम जोड़ने में किन-किन दस्तावेजो को लिया जाता उसकी बीएलओ से जानकारी ली गई। बीएलओ द्वारा भी संतोषप्रद जबाव दिए गए। इसके अतिरिक्त मतदाताओ के डबल नाम होने पर की जाने वाली कार्यवाही एवं बीएलओ द्वारा गलत नाम जोड़ने पर कार्यवाही, नियम निर्देशो को बताया गया साथ ही मतदाता सूची अंतर्गत सभी बीएलओ को अच्छा कार्य करने के निर्देश दिए गए अंत में सभी से कहा गया कि वह बीएलओ बनने पर गर्व करें कि उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा द्वारा सभी का अभार व्यक्त किया। इस दौरान बैठक में विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

मतदान केन्द्रों का निरीक्षण : भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के अधिकारियों द्वारा विदिशा जिले की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 144 के मतदान केन्द्र 94 - सुनपुरा पहुंचकर मतदान केन्द्र का किया गया। यहां के बीएलओ श्री संदीप गिरि से जेण्डर रेशो, ईपी रेशो, मतदाता के नाम जोड़ने, घटाने एवं संशोधन की जानकारी ली गई साथ ही मतदाता सूची का परीक्षण किया जिसमें कुछ मतदाताओं के फोटो स्पष्ट न होने के कारण बीएलओ को फोटो बदलने के निर्देश दिए गए तथा मतदान केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली गई। इसके बाद मतदान केन्द्र क्रमांक 104, 106-नगर विदिशा, जिला परिवहन कार्यालय उत्तरी खण्ड/पश्चिमी खण्ड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री रवि यादव, एवं श्रीमती सुधा सक्सेना, बी.एल.ओ. से भी मतदाता, जेण्डर रेशो, ई.पी. रेशों की जानकारी ली गई, साथ ही बीएलओ को दिए गए इसके अतिरिक्त मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाये जाने के भी निर्देश दिए। मतदान केन्द्र 104-नगर विदिशा-7 में 1408 मतदाता होने से नवीन मतदान बनाये जाने के निर्देश दिए गए उक्त मतदान केन्द्र में 1200 से अधिक मतादाता होने के कारण मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण अंतर्गत नवीन मतदान केन्द्र का प्रस्ताव पूर्व में ही आयोग को प्रेषित किए जा चुके हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत सीहोर में साइकिल रैली आयोजित

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत खेलों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उद्देश्य से सीहोर में जिला प्रशासन द्वारा साइकिल रैली आयोजित की गई। यह रैली सीहोर के आवासीय खेल परिसर से प्रारंभ हुई और बस स्टैंड, कोतवाली चौराहा, इंग्लिशपुरा होते हुए पुनः खेल परिसर पहुंचकर समाप्त हुई।

इस साईकिल रैली में नागरिकों और युवाओं के साथ भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, नगरपालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर, कलेक्टर श्री बालागुरु के., एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल हुए और सभी ने नागरिकों को संदेश दिया कि खेल गतिविधियाँ केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं हैं बल्कि यह जीवन को स्वस्थ और अनुशासित बनाने का सबसे उत्तम माध्यम भी हैं। रैली में बड़ी संख्या में युवा, बच्चे और नागरिक शामिल हुए। रंग-बिरंगी साइकिलों पर नागरिक जब शहर की सड़कों से गुजरे तो पूरा माहौल खेल के जागरूकता की भावना से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर सांसद श्री आलोक शर्मा ने कहा कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन, परिश्रम और सामूहिकता की भावना विकसित करते हैं। स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है जब हर व्यक्ति खेलों को अपनी दिनचर्या में शामिल करे।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत जिलेभर में 29 अगस्त से 31 अगस्त तक विभिन्न खेल गतिविधियों और प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं। इसमें एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, खोखो, दौड़, टेबल टेनिस सहित कई खेल गतिविधियां शामिल हैं। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें खेलों से जोड़ना है। इस अवसर पर एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, जिला खेल अधिकारी श्रीमती रुबिका देवान, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर, आवासीय के प्राचार्य श्री आलोक शर्मा, श्री सुदीप प्रजापति, खेल संघो के पदाधिकारी, खेल प्रशिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा, बच्चे एवं नागरिक उपस्थित थे।

शाहगंज एवं भैरूंदा में भी साइकिल रैली आयोजित : राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत सभी को खेलों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले के भैरूंदा एवं शाहगंज में भी साइकिल रैली का आयोजन किया गया। भैरूंदा में आयोजित साइकिल रैली में भैरूंदा एसडीएम श्री सुधीर कुशवाह सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

राष्ट्रीय खेल दिवस सम्मान समारोह सम्पन्न

हरदा (निप्र)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शहर में आयोजित तीन दिवसीय खेल महोत्सव का सम्मान समारोह रविवार को पीएम श्री महाविद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरदा विधायक डॉ. आर.के. दोगने, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा, शिक्षक प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री बसंत राजपूत, क्रीड़ा अधिकारी श्री रामनिवास जाट, श्री जगदीश शर्मा सहित खिलाड़ी, प्रशिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

ब्लॉक समन्वयक सलमा खान ने बताया कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिले में तीन दिनों तक विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें कबड्डी, कुश्ती, हॉकी, खो-खो, एथलेटिक्स एवं क्रिकेट मैच तथा योगा, एवं सायक्लिंग आदि गतिविधियां आयोजित हुई। विजयी प्रतिभागियों एवं खेल प्रशिक्षकों सहित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और कोचों को सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर बच्चों को शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में हरदा विधायक डॉ. आर.के. दोगने ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की स्मृति के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि खेल दिवस का मुख्य उद्देश्य शारीरिक श्रम से है, जिससे शरीर फीट रहता है, प्रतिदिन खेल खेलकर शारीरिक श्रम अवश्य करें। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत ने मेजर ध्यानचंद जी की स्मृति में आयोजित खेल दिवस में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों और उन्हें प्रशिक्षित करने वाले प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से नन्हें कृष्णा को मिली नई मुस्कान

सीहोर (निप्र)। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) और बाल हृदय योजना भी उन्हीं योजनाओं में से एक है। यह योजनाएं बच्चों के जीवन को सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी के अंतर्गत सीहोर के गल्ला मंडी, फ्री गंज निवासी श्री वरूण गौर और श्रीमती सावित्री गौर के बेटे कृष्णा को नया जीवन मिला।

कुछ समय पहले कृष्णा को तेज़ निमोनिया की शिकायत के कारण जिला अस्पताल सीहोर में भर्ती कराया गया। इलाज और जांच के दौरान चिकित्सकों ने पाया कि उसके दिल में छेद है। यह जानकारी परिवार के लिए बेहद चिंता का विषय थी, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और बाल हृदय योजना के बारे में बताया और तत्काल जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (डीईआईसी) से जोड़ा।

बच्चे की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और योजना के अंतर्गत एक लाख 70 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में कृष्णा का ऑपरेशन कराया गया, जो सफल रहा।आज बालक कृष्णा सामान्य जीवन जी रहा है और उसका स्वास्थ्य भी बेहतर हो रहा है। इसके साथ ही, आरबीएसके टीम और डीईआईसी केंद्र द्वारा उसका नियमित फॉलोअप जारी है ताकि आगे भी उसका स्वास्थ्य सुरक्षित रहे।नन्हें कृष्णा की यह कहानी कई अन्य परिवारों को भी यह विश्वास दिलाती है कि गंभीर बीमारियों की स्थिति में जिला चिकित्सालय और स्वास्थ्य विभाग हर संभव मदद के लिए तैयार हैं।

लंबित आवेदनो की समीक्षा, संतुष्टिपूर्वक आवेदनो का समाधान करें - कलेक्टर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनो की समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑन लाइन के अलावा जनसुनवाई कार्यक्रम और वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदनो के निराकरणों की विभागवार पृथक-पृथक समीक्षा की है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित समीक्षात्मक बैठक में बताया गया कि सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनो में से अगस्त माह की शिकायतो का शत प्रतिशत समाधान नियत समयावधि में कराया जाना सुनिश्चित करें। अगस्त माह की एक भी शिकायत को फोर्सक्लोज ना किया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने संतुष्टिपूर्वक आवेदनो के समाधान कराने पर बल देते हुए निर्देशित किया है कि शिकायतकर्ताओं से जिलाधिकारी भी सीधे संवाद करें और आवेदक की मूलभूत समस्या का निदान समयावधि में हो। के प्रबंध सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि अगस्त माह की 12168 शिकायतो का निराकरण समय सीमा में कराया जाना है ताकि मासिक ग्रेडिंग सूची जारी होने की तिथि के पूर्व विदिशा जिला व जिले के सभी विभाग टॉप फाइव की सूची में शामिल हो सके।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत लाभांवित होने वाले हितग्राहियों की सूची प्रदर्शित करने के निर्देश दिए है ताकि हितग्राहियों को सूची में अपना स्थान का पता चल सकें और किसी भी प्रकार से आवंटन में सरल क्रमांक में ओवरलेपिंग ना हो। उन्होंने जिलाधिकारियों को ग्राम पंचायत का नोडल अधिकारी नियुक्त करने के भी निर्देश दिए है ताकि ग्राम की तमाम आवश्यकताओं और हितग्राहीमूलक योजनाओं के लाभ की जानकारियां संकलित होकर उन्हें समय पर लाभ दिलाया जा सकें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि वर्ग विशेष के लिए संचालित योजनाओं का यह ध्येय होना चाहिए कि किसी भी विभाग के माध्यम से क्रियान्वित हो उसका लाभ उन्हें मिलें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक के दौरान जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सम्मिलित पात्र परिवारो में से संदिग्ध हितग्राहियों की जांच, पात्रता के मापदण्ड अनुसार हितग्राहियो की संख्या, किसान सम्मानिधि प्राप्त करने वाले किसानो, लाड़ली लक्ष्मी योजना के पंजीयन व्यवस्था, जिले में खुले ट्रांसफार्मर की सुरक्षा हेतु जनपद व निकायवार सूची प्राप्त कर कार्यो को अंजाम देने जिसमें सबसे पहले आबादी वाले क्षेत्रो में प्राथमिकता से कार्य कराए जाएं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन के तहत सौ दिवस की दर्ज शिकायतो पर विशेष समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि ऐसी शिकायतो के निराकरणो में विलम्बता क्यों हो रही है का स्पष्ट जबाव शिकायत में दर्ज होना चाहिए। उन्होंने जिले में पेयजल योजना के कार्यो के संबंध में भी आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीणजनो को योजना से कोई मतलब नहीं। उन्हें घर में पानी मिलना चाहिए यहीं विभाग की प्रमुख ड्यूटी है। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए है कि हेण्ड पंपो व नलजल योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारियां अब हरेक टीएल बैठक में प्रस्तुत करेंगे जिसमें पूर्व में संचालित योजनाओं के साथ-साथ नवीन शुभांरभ की गई योजनाओं की जानकारी पृथक-पृथक प्रस्तुत की जाए। इसी प्रकार हेण्ड पंपो के संबंध में भी कार्यवाहियां संपादित करने के निर्देश दिए गए है।

खेल उत्सव के अंतिम दिवस रायसेन में 'संडे ऑल साईकिल' रैली का आयोजन कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा एसपी श्री पाण्डे ने किया रैली का नेतृत्व

रायसेन (निप्र)। खेल और युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय रायसेन में हॉकी के सर्वकालीन महान खिलाड़ी पद्मभूषण मेजर ध्यानचंद जी की 120वीं जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत आयोजित तीन दिवस खेल उत्सव के अंतिम दिवस ÷संडे ऑन साइकिल÷ रैली का आयोजन किया गया। पुलिस लाईन से प्रारंभ होकर खेल स्टेडियम तक आयोजित इस साईकिल रैली का नेतृत्व कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे द्वारा किया गया। रैली में अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई।

रैली के समापन अवसर पर कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने नागरिकों से आव्हान किया कि वह भी सप्ताह में एक घण्टे साईकिल चलाएं जिससे पर्यावरण स्वच्छ रहता है। इसी तरह पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे ने कहा कि भारत सरकार की टेगलाइन ÷एक घंटा खेल के मैदान में÷ अनुसार सप्ताह में एक घण्टे साइकिल चलाना चाहिए जिससे शारीरिक रूप से स्वाथ्य बने रहे। साइकिल रैली के समापन पर जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्री जलज चतुर्वेदी, रक्षित निरीक्षक पुलिसलाईन कविता डामोर सहित खेल शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सभी शासकीय कार्यालयों में ई ऑफिस सिस्टम से ही कार्य किया जाए - कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वह शासकीय पत्राचार, फाइल नोट शीट, एवं अन्य सभी फाइल मूवमेंट ई ऑफिस सिस्टम से करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि किसी भी स्थिति में ऑफलाइन कार्य न किया जाए और ना ही ऑफलाइन फाइल ली जाए। सभी पत्राचार ऑनलाइन रहे। ई ऑफिस सिस्टम के थ्रू है सभी फाइलें ली और दी जाए।

कमिश्नर श्री तिवारी ने आईटीआई महाविद्यालय में रिक्त सीटों के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि आईटीआई महाविद्यालय में 1 सितंबर से छात्रों के एडमिशन प्रारंभ हो चुके हैं जो 10 सितंबर तक चलेंगे। उन्होंने निर्देश दिए की जिस ट्रेंड में सीटे खाली हैं उसकी जानकारी का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए और उस ट्रेंड में विद्यार्थियों के प्रवेश सुनिश्चित किए जाएं। बताया गया कि आईटीआई महाविद्यालय में लगभग 70% सीटे भरी जा चुकी है लेकिन वर्तमान में नर्मदापुरम जिले के विभिन्न आईटीआई महाविद्यालय में 217, बैतूल जिले में 209 और हरदा जिले में 42 सीटे अभी खाली हैं। पहले आओ पहले पाओ के आधार पर विद्यार्थियों के प्रवेश सुनिश्चित किए जा रहे हैं। कमिश्नर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वह अपने अधीनस्थ कार्यालय का रोस्टर के अनुसार निरीक्षण करना सुनिश्चित कर ले।

कमिश्नर ने बैठक में सहायक श्रम आयुक्त के चार लंबित प्रकरणों की समीक्षा की साथ ही आबकारी विभाग के तीन, मत्स्य विभाग के एक, खाद्य विभाग के तीन, जल संसाधन विभाग के सात, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग के चार, परिवहन विभाग के 21, स्वास्थ्य विभाग के 38, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण के 19, संयुक्त संचालक उद्यानकी विभाग के तीन, पीएचई विभाग के 6, पशुपालन विभाग के एक, विद्युत विभाग के पांच, संयुक्त आयुक्त सहकारिता विभाग के एक, उपयुक्त जनजाति कार्य विभाग के 10, ब्रिज कारपोरेशन के तीन, खनिज विभाग के तीन, एसी पीडब्ल्यूडी के 20, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क परियोजना के तीन, एमपी आरडीसी के पांच, एन एच आई के तीन, संयुक्त संचालक सूक्ष्म लघु एवं मध्य मध्य विभाग के एक, एमपी आईडीसी नर्मदापुरम के एक, संभागीय खेल अधिकारी के एक, आरईएस के पांच, नगरी प्रशासन विभाग के 59, उपसंचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चार, वन विभाग के दो, आडिट शाखा के एक, बैठक शाखा के एक, नाजरात शाखा के दो, विकास शाखा के 9, वित्त शाखा के छह, विधायिका के एक, सामान्य शाखा के तीन, आवास शाखा के सात, राजस्व शाखा के 33, निर्वाचन शाखा के एक, विधि शाखा के 31, स्थापना शाखा के 10, स्थापना शाखा - 2 के 5, शिकायत शाखा के 118, शिकायत शाखा - 2 के 22, आरसीएमएस के दो कलेक्टर नर्मदापुरम के 57, कलेक्टर बैतूल के 10, कलेक्टर हरदा के 10 लंबित प्रकरणों की समीक्षा की।

संभागीय समय सीमा की बैठक में उपायुक्त राजस्व श्री गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास श्री जी सी दोहर सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

नवजात की मौत, चूहे ने कुतरे थे हाथ

इंदौर के एमवाय अस्पताल में दो नर्सिंग ऑफिसर सस्पेंड, नर्सिंग सुपरिटेंडेंट को हटाया

भोपाल/इंदौर (नप्र)। इंदौर के एमवाय अस्पताल में चूहों ने जिन दो नवजात शिशुओं के हाथ कुतरे थे, उनमें से एक नवजात की मंगलवार को मौत हो गई है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन ने चूहे के काटने के कारण मौत होने की बात से इंकार किया है। दूसरे बच्चे की हालात भी गंभीर बनी हुई है। उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है।

डीन के मुताबिक नवजात का वजन 1.2 किलो ही था। जबकि हीमोग्लोबिन बहुत कम था। उसे सर्जिकल संबंधी काफी तकलीफ थी। डीन ने स्पष्ट किया कि उसकी मौत का कारण चूहे का काटना नहीं है। यह वही बच्चा है। जिसके परिजन उसे छोड़कर चले गए थे।

चूहों ने कुतर दिए थे दो नवजात के हाथ- इंदौर के एमवाय अस्पताल के एनआईसीयू में चूहों ने दो नवजातों के हाथ कुतर दिए थे। दोनों को दो-तीन पहले जन्म के तुरंत बाद एनआईसीयू में शिफ्ट किया गया था। रविवार को जब नवजात को चूहे ने काटा था तो डॉक्टरों ने उसका

इलाज शुरू कर दिया था। सोमवार को दूसरी घटना के बाद स्टाफ ने सीनियरों को सूचना दी।

दरअसल, पूरे अस्पताल में ही चूहों की भरमार है। बताया जाता है कि इसमें एनआईसीयू में तो एक बड़ा चूहा कई दिनों से सक्रिय है। खुद स्टाफ उसे देखकर सहम जाते हैं।

दो नर्सिंग ऑफिसर सस्पेंड, प्रभारी को कारण बताओ नोटिस

इधर, अस्पताल के एनआईसीयू में चूहों के द्वारा दो नवजातों के हाथ कुतरने के मामले में दो नर्सिंग ऑफिसर को सस्पेंड कर दिया गया है। इस मामले में मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने कार्रवाई करते हुए एनआईसीयू यूनिट की नर्सिंग ऑफिसर आकांक्षा बेंजामिन और श्वेता चौहान को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही, सहायक प्रभारी नर्सिंग ऑफिसर कलावती बलावी को शोकाज नोटिस दिया गया है।

इसके साथ ही, प्रवीणा सिंह प्रभारी नर्सिंग ऑफिसर (पीआईसीयू) और डॉ. मनोज जोशी, प्रभारी व प्राध्यापक पीडियाट्रिक्स सर्जरी विभाग को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इसके साथ ही एमवाय अस्पताल की नर्सिंग सुपरिटेंडेंट मारग्रेट जोजफ को हटाया गया है। उनके स्थान पर नर्सिंग ऑफिसर सिस्टर दयावती दयाल को नर्सिंग सुपरिटेंडेंट बनाया गया है। पीडियाट्रिक्स सर्जरी के आईसीयू इंचार्ज और असिस्टेंट इंचार्ज को शोकाज नोटिस दिया गया है ।

आउटसोर्स एंजाइल कंपनी पर एक लाख रुपए का जुर्माना

इस मामले डीन ने आउटसोर्स एंजाइल कंपनी पर एक लाख रुपए का जुर्माना किया है। कंपनी को चेतावनी दी गई है कि क्यों न उनका एमओयू निरस्त किया जाएगा। मामले में एमवाय अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. अशोक यादव को तुरंत पेस्ट कंट्रोल करने के दिशा निर्देश दिए गए हैं । उनसे इस मामले में लापरवाही बरतने पर पेस्ट कंट्रोल की जानकारी मांगी गई है।

डीन ने जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाई

डीन ने जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाई है। जिसमें डॉ. एसपी बंसल, डॉ. शशि शंकर शर्मा, डॉ. अरविंद शुक्ला, डॉ. निर्भय मेहता और डॉ. बसंत निगवाल के साथ नर्सिंग ऑफिसर सिस्टर दयावती दयाल रहेंगे। जो अपनी रिपोर्ट देंगे। प्रबंधन का कहना है कि रिपोर्ट में जो भी दोषी होंगे। उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कॉन्स्टेबल को सोना खरीदने बुलाया, फिर 17 लाख रुपए लूटे

खंडवा में पारदी गैंग ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा ; खुदाई में मिला सोना सस्ते में बेचने का दिया झांसा

खंडवा (नप्र)। मध्यप्रदेश के खंडवा में छत्तीसगढ़ पुलिस के एक कॉन्स्टेबल के साथ लूट की वारदात हो गई। पारदी गैंग ने कॉन्स्टेबल और उसके भाई समेत एक अन्य को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा और साढ़े 17 लाख रुपए से भरा बैग अपने कब्जे में ले लिया। बैग में नकद रुपए, एटीएम कार्ड और अन्य सामान था।

लूट के पीछे की कहानी सोना खरीदी से जुड़ी है। रविवार सुबह हुई इस घटना के दो दिन बाद मंगलवार अलसुबह पुलिस ने दो

लुटेरों को हिरासत में लेकर लूटा गया पैसा और सामान जब्त कर लिया।

पारदी गैंग ने ही सोना खरीदने बुलाया और लूट लिया- दरअसल, एक टूर के दौरान छत्तीसगढ़ के रायपुर में पदस्थ ट्रैफिक कॉन्स्टेबल मयंक खूटे की पहचान खंडवा के पारदी गैंग के सदस्य से हुई थी। उसने कॉन्स्टेबल को घर की खुदाई में सोना मिलने की बात बताई और एक किलो सोने को सस्ते में खरीदने के लिए कॉन्स्टेबल को खंडवा बुलाया।

शनिवार रात कॉन्स्टेबल अपने भाई और एक अन्य कर्मचारी के साथ खंडवा पहुंचे। उन्हें सोना लेने के लिए हरदा जिले की सीमा से सटे हरसूद क्षेत्र में बुलाया गया। यहां पारदी गैंग के चार लोगों ने कॉन्स्टेबल को सोना नहीं दिया, लेकिन उनके पास 17 लाख रुपए से भरा बैग लूट लिया।

ढाबे पर लगे सीसीटीवी कैमरे से आरोपियों की पहचान- हरसूद टीआई राजकुमार राठौर ने बताया कि घटना 31 अगस्त रविवार की सुबह 7.30 बजे हुई थी। कॉन्स्टेबल और उनके साथियों ने पहले खुद पारदी गैंग की तलाश की, फिर सोमवार दोपहर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया।

कॉन्स्टेबल के मुताबिक, लुटेरों के साथ उन्होंने एक ढाबे पर भोजन किया था। पुलिस ने वहां लगे सीसीटीवी कैमरे और कॉल डिटेल्स की मदद से बदमाशों की पहचान की। मंगलवार अलसुबह तक पारदी गैंग के चारों सदस्यों को हिरासत में लिया गया।

पारदी गैंग के सदस्यों में युवराज उर्फ सेवकराम पिता रामराणा, ग्राम भीलखेड़ी, पिपलोद और शबनम पिता सापीलाल, ग्राम बेडियाव शामिल हैं। उनके कब्जे से 17 लाख रुपए नकद, मोबाइल और एटीएम कार्ड बरामद किए गए।

पहले पैसे लिए, सोना मांगा तो लाठी लेकर पीटने दौड़े- लुटेरों ने कॉन्स्टेबल और उनके साथ आए भाई और साथी को विश्वास में लिया। कहा कि पहले आपको पैसा देना होगा, उसके बाद हम आपको सोना देंगे।

केबीसी की हॉट सीट पर पहुंचा लेबर

आसिफ की कहानी सुन भावुक हुए बिग-बी ; 5 सितंबर को प्रसारित होगा शो

धार (नप्र)। धार के अमझेरा गांव के रहने वाले आसिफ ने कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में हॉट सीट पर जगह बनाई है। धार से इंदौर में मजदूरी करने वाले आसिफ ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अपने परिवार के लिए दिन-रात मेहनत की। अब वह एक्टर अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर नजर आएंगे। उनकी कहानी 5 सितंबर को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगी।

कई राउंड पार कर हॉट सीट तक पहुंचे

आसिफ की सादगी और मेहनत की कहानी तब सामने आयी, जब उन्होंने कौन केबीसी के लिए रजिस्ट्रेशन किया। शो तक पहुंचने की उनकी यात्रा आसान नहीं थी। उन्होंने कई चरणों की प्रक्रिया पूरी की। जिसमें ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, ऑडिशन और फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट राउंड शामिल हैं।

भोपाल बीजेपी ऑफिस में उज्जैन के किसानों की नारेबाजी

राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष से मिलने पहुंचे थे ; कुछ नेताओं से 'असंतोष' पर भी हुई बात

भोपाल (नप्र)। बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने सोमवार को भोपाल में सरकार और संगठन को लेकर कई मंत्रियों, विधायकों और नेताओं से बंद कमरे में मुलाकात कर फीडबैक लिया।

सोमवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात के साथ-साथ संघ और पार्टी बैठकों में भी उन्होंने हिस्सा लिया। इसी दौरान उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड हाईवे प्रोजेक्ट से नाराज करीब 50 किसान भी बीजेपी प्रदेश कार्यालय पहुंच गए और बी.एल. संतोष से मिलने की कोशिश की, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी।

मुलाकात न होने से नाराज किसानों ने पार्टी दफ्तर में ही एमपीआरडीसी मुर्दाबाद और किसान एकता जिंदाबाद के नारे लगाए, जिस पर पार्टी पदाधिकारियों ने नाराजगी जताई और उन्हें संयम बरतने की सलाह दी।

बंद कमरे में विधायकों और नेताओं से मिले- सेवा पखवाड़े की बैठक के बाद बीएल संतोष ने पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा से चर्चा की। इसके बाद सीधी विधायक रीति पाठक, बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से

अलग-अलग चर्चा की। बीएल संतोष ने आरएसएस और किसान संघ के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की। सूत्र बताते हैं कि इस चर्चा के दौरान उज्जैन सिंहस्थ क्षेत्र में जमीनों के स्थायी अधिग्रहण के मुद्दे पर जानकारी ली है।

ये नेता भी पहुंचे लेकिन, नहीं हो पाई मुलाकात- बीएल संतोष से मिलने के लिए आलोट विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय, शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, छिंदवाड़ा सांसद बंटी साहू भी प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे, लेकिन मुलाकात नहीं हो पाई।

उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड हाईवे प्रोजेक्ट से नाराज हैं किसान

उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट को लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

किसानों का कहना है कि वे सड़क निर्माण के विरोध में नहीं हैं, लेकिन इसके निर्माण की तकनीकी और मुआवजे को लेकर उनकी गंभीर आपत्तियां हैं। किसान मुकेश धानक ने बताया, हम उज्जैन-जावरा के बीच के गांवों के किसान हैं। इस मुद्दे को लेकर हम विधायक, सांसद, कलेक्टर, एमपीआरडीसी सहित कई फोरम पर अपनी बात रख चुके हैं। आज प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात हुई है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं मिला है। यदि हमारी बात नहीं सुनी गई, तो हमारे पास धरना-प्रदर्शन ही अंतिम विकल्प है।